''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 16 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए वीरवार, 16 जनवरी 2025 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

मंत्री जी! यहां तीन महीने से नहीं मिल रहा तेल

डिपो संचालक की मनमर्जी से जनता हो रही त्रस्त

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। स्थित राशन डिपो लाइसेंस नंबर 531 इस समय उपभोक्ताओं के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो रहा है। हिन्दी दैनिक समाचार गेट को काफी समय से इस डिपो के बारे में शिकायत मिल रही थीं, जिस पर कार्रवाई करते हुए कवरेज करने के लिए टीम पहुंची तो वहां काफी लंबी लाइनें लगी मिली। खड़े-खड़े लाइन में थक कर काफी संख्या में बुजुर्ग सड़क किनारे बैठे मिले। हमारे संवाददाता ने जब वहां मौजूद लोगों से बातचीत की तो ज्यादातर उपभोक्ताओं का कहना था कि डिपो के लगातार चक्कर काटने के बाद भी उपभोक्ताओं को राशन नहीं मिल पा रहा है।

खाद्य एंव आपूर्ति मंत्री राजेश नागर के सख्त निर्देश के बावजूद भी सरकारी राशन दुकानों पर खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था ढर्रे पर नहीं आ रही है या फिर इस तरह के डिपो संचालकों की मनमर्जी से राशन वितरण और लापरवाही की वजह से सरकार और प्रशासन की किरकिरी हो रही है।

राशन लेने के लिए लाइन में लगे ज्यादातर उपभोक्ताओं का आरोप था कि चीनी के साथ चाय पत्ती जबरदस्ती बेची जा रही है और उसके एवज में लोंगों से ज्यादा पैसे वसूल किए जा रहे हैं, इस बारे में जब डिपो होल्डर पर राशन वितरित करने वाले शख्स से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि चीनी के साथ चाय पत्ती के लिए हम किसी को विवश नहीं कर रहे हैं।

काफी संख्या में वहां आए उपभोक्ताओं का आरोप यह भी था कि हमें पिछले महीने तेल ही नहीं मिला कुछ का कहना यह भी था कि कई महीनों से तेल ही नहीं मिला।

राशन वितरण की लंबी लाइनें और पर्बलिक में असंतोष का आलम यह है कि सुबह 5-6 बजे से लेकर शाम होने तक भी नंबर नहीं आता है, और फिर भी कुछ को खाली हाथ लौटना पड़ता है।

नाम ना छापने की शर्त पर एक उपभोक्ता का कहना था कि वह कई दिनों से डिपो पर चक्कर लगा रहे हैं लेकिन उन्हें राशन नहीं मिल रहा है एवं मेरे जैसे कई उपभोक्ता राशन दुकानों के चक्कर लगा-लगा कर परेशान हो रहे हैं लेकिन डिपो होल्डर से हमें राशन नहीं मिल रहा।

दो महीने से नहीं मिल रहा तेल

सुबह से लाइन में खड़ी हूं, लेकिन अभी 1:00 बजे तक भी नंबर नहीं आया है। गेंहूं और चीनी तो मिल रही है मगर राशन डिपो से दो महीने हो गए तेल नहीं मिला है। 70 रुपए में चीनी के साथ चाय पत्ती का पैकेट भी डिपो होल्डर से मिल रहा है।

जल्दी नंबर के लाने के लिए 100 रूपए दिए हैं!

मैं सुबह से लाइन में खड़ा हूं, लेकिन नंबर नहीं आ रहा। डिपो होल्डर को जाकर बोलो तो कहता है कि 100 रुपए दो तो तुरंत नंबर आ जाएगा। वह अंदर बैठा है मुझे उसका नाम तो नहीं मालूम लेकिन में उसको पहचानता हूं और उसने मेरे से सौ रुपए लिए है।

तीन महीने से तेल नहीं मिल रहा है

करीब 60 साल से ज्यादा के बुजुर्ग को लाइन में लगे देखकर जब हमारे संवाददाता ने उनसे पूछने की कोशिश की तो गुस्साए स्वर बोले हमें तीन महीने से तेल नहीं मिल रहा है बिल्कुल भी। गेंहूं और बाजरा तो मिल रहा है, लेकिन तेल नहीं मिल रहा है।

आमजन की शिकायतों के निपटान के लिए समाधान शिविर बन रहे लाभकारी : डीसी

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जिला प्रशासन फरीदाबाद द्वारा आम नागरिकों की शिकायतों के समाधान के लिए प्रत्येक कार्यदिवस पर सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें नागरिकों की समस्याओं का तत्परता से समाधान हो रहा है। डीसी विक्रम सिंह द्वारा निरन्तर लोगों की समस्या को सुनते हुए समाधान कर लोगों को राहत पहुंचाई जा रही है। समाधान शिविर में बुधवार को डीसी विक्रम सिंह ने नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिला स्तरीय समाधान शिविर में आई शिकायतों का अधिकांश का मौके पर ही निदान कर दिया गया और शेष पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारी को दिए गए। समाधान शिविर में प्रमुख तौर पर प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, जमीन का पंजीकरण, लोकल बॉडी का नो ड्यूज सर्टिफिकेट, म्युनिसिपल कमेटी से नक्शा अनुमोदन, बिजली-सिंचाई-सार्वजनिक स्वास्थ्य, समाज कल्याण पेंशन तथा अपराध की शिकायतें और राशन कार्ड को शामिल किया गया है। डीसी ने बताया कि जिले में फरीदाबाद मुख्यालय सहित बल्लभगढ़ व बड़खल उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर का आयोजन हो रहा है। नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शिविरों का फायदा उठा अपनी समस्याओं का निदान करवा रहे हैं। समाधान शिविर में एसडीएम फरीदाबाद शिखा व सीटीएम अंकित कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एमडीयू रोहतक में पंडित श्रीराम शर्मा के नाम पर शोध पीठ की जाएगी स्थापित : मुख्यमंत्री

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में महान स्वतंत्रता सेनानी एवं संविधान निर्माण सभा के सदस्य पंडित श्रीराम शर्मा के नाम पर एक शोध पीठ की स्थापना की जाएगी । साथ ही, मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र के लिए उनके महान योगदान को सम्मानित करने के लिए प्रदेश में एक विश्वविद्यालय /संस्थान का नाम पंडित श्रीराम शर्मा के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार हर वर्ष 1 अक्टूबर को उनकी जयंती भी मनाएगी। इस अवसर पर प्रदेश भर के स्कूलों और कॉलेजों में निबंध लेखन, कविता लेखन और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिससे छात्रों को उनके जीवन और विचारों को जानने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने पंडित श्रीराम शर्मा की प्रतिमा स्थल पर 30 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराने और उस स्थान के सौंदर्यीकरण करवाने की भी घोषणा की। पंडित श्रीराम शर्मा विचार मंच द्वारा रखी गई दो अन्य मांगों बहादुरगढ़ में स्थित पंडित श्रीराम शर्मा मेट्रो स्टेशन पर उनकी शौर्यगाथा लिखने तथा स्कूली पाठ्यक्रम में पंडित श्रीराम शर्मा की जीवनी को शामिल करने के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मांगें संबंधित विभागों को भिजवा कर पूरी करवायी जायंगी। उन्होंने पंडित श्रीराम शर्मा विचार मंच समिति के लिए 21 लाख रुपये के अनुदान की भी घोषणा की, ताकि उनके आदर्शों और मूल्यों के निरंतर प्रचार-प्रसार को बढ़ावा मिल सके। मुख्यमंत्री ने आज रोहतक में पंडित श्रीराम शर्मा पार्क स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में पंडित श्रीराम शर्मा की प्रतिमा का अनावरण करते हुए यह घोषणाएं कीं। उन्होंने महान स्वतंत्रता सेनानी को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और भारत के स्वतंत्रता संग्राम, संविधान निर्माण और स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। पंडित श्रीराम शर्मा को एक सच्चा देशभक्त, सम्मानित राजनेता, समाज सुधारक और गांधीवादी बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान सभा के सदस्य के रूप में उन्होंने देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री ने संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महापुरुषों को याद करने और उन्हें सम्मानित करने का आह्वान किया था । डॉ. भीमराव अंबेडकर ने देश को संविधान दिया और इस महान कार्य में पंडित श्रीराम शर्मा का भी उल्लेखनीय योगदान रहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की विचारधारा से गहराई से प्रभावित पंडित श्रीराम शर्मा ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सभी पांच सत्याग्रह आंदोलनों में बढ़ चढ़ कर भाग लिया और स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के कारण वे कई बार जेल भी गए। जनवरी 1922 में असहयोग आंदोलन के दौरान पंडित श्रीराम शर्मा ने झज्जर में ब्रिटिश ध्वज को उखाड़कर तिरंगा फहराया, जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें क्रूर यातनाएं दीं। इससे विचलित हुए बिना, वे अपने उद्देश्य में दृढ़ रहे। 1923 में, उन्होंने लोगों में स्वतंत्रता संग्राम की भावना को प्रेरित और प्रज्वलित करने के लिए एक साप्ताहिक उर्दू समाचार पत्र, हरियाणा तिलक का प्रकाशन भी शुरु किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा ने 1966 के बाद संयुक्त पंजाब के साथ-साथ हरियाणा में भी कई प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया। 1965 में पंडित शर्मा को संयुक्त पंजाब सरकार द्वारा हरियाणा विकास समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उनके कार्यकाल के दौरान समिति ने 1966 में एक रिपोर्ट तैयार की, जिसमें न केवल विकास के मामले में बल्कि राजनीतिक भागीदारी और रोजगार के अवसरों के मामले में भी हरियाणा के साथ होने वाले भेदभाव को उजागर किया गया। इस रिपोर्ट ने अलग हरियाणा राज्य के निर्माण की मांग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

बहादुरगढ़ मेट्रो स्टेशन पंडित श्रीराम शर्मा के नाम पर स्थापित

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने बहादुरगढ़ मेट्रो स्टेशन का नाम पंडित श्रीराम शर्मा के नाम पर रखकर उन्हें सम्मानित किया है। इसके अलावा, स्वतंत्रता सेनानियों और उनके आश्रितों को दी जाने वाली मासिक सम्मान पेंशन को 25,000 रुपये से बढ़ाकर 40,000 रुपये किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पेंशन वर्तमान में पूरे राज्य में 289 लाभार्थियों को दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे पंडित श्रीराम शर्मा के बताए रास्ते पर चलते हुए हमारी संस्कृति की गरिमा को बनाए रखने और राष्ट्र की एकता और अखंडता को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करें।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2029 में भाजपा फिर परचम लहरायेगी

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में लगातार तीसरी बार सरकार चुनने के लिए लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2029 में फिर से भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य का 'नॉन स्टॉप' विकास बिना किसी भेदभाव के जारी रहेगा। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि वर्तमान सरकार के तहत उन्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। अभी हाल ही में होनहार युवाओं को बिना किसी पर्ची-खर्ची के, योग्यता के आधार पर 25,000 नौकरियां प्रदान की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा विकास के मामले में नई ऊंचाइयों को छुएगा और 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कारोबार में सहूलियत बढ़ाने के लिए हरियाणा में कम किए जाएंगे 1500 बोझिल अनुपालन

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में कारोबार में सहूलियत को बढ़ावा देने के लिए दिसंबर 2025 तक 1500 बोझिल अनुपालन कम करने और अधिनियमों/नियमों/जांच सूचियों के तहत 50 प्रावधानों (कारोबार और नागरिक) को अपराध-मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। यह जानकारी आज यहां मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी की अध्यक्षता में आयोजित कारोबार सुधार कार्य बिंदु (बी.आर.ए.पी.) एजेंडा और अनुपालन बोझ कम करने (आर.सी.बी.) के कार्यान्वयन तथा प्रस्तुतिकरण हेतु एक समीक्षा बैठक में दी गई।

मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी ने कहा कि कारोबार सुधार कार्य बिंदुओं के सफल कार्यान्वयन में हितधारकों की प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण है। इसलिए सुधार कार्य योजना हेतु इनपुट मांगने की प्रक्रिया में विभाग अपने हितधारकों को शामिल करें। उन्होंने विभागों को निर्देश दिये कि कार्यों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित समय-सीमा का पालन किया जाए। मुख्य सचिव ने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को निर्देश दिए कि व्यापार सुधारों पर सुझावों के लिए उपायुक्तों को भी शामिल किया जाए। उन्होंने हारट्रोन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि ऑनलाइन पोर्टल पर जानकारी नागरिकों को हिंदी में भी उपलब्ध हो, ताकि अधिक से अधिक लोग डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि विभाग अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करवाने के लिए हारट्रोन की सेवाएं ले सकते हैं। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रधान सचिव श्री डी. सुरेश ने बताया कि कुल 985 व्यवसाय और नागरिक अनुपालन कम किए गए हैं, जिनमें से 746 व्यवसाय श्रेणी से, जबकि 239 नागरिक श्रेणी से संबंधित हैं। अब तक, 30 प्रावधानों को अपराध-मुक्त किया गया है और 19 प्रावधानों की समीक्षा की जा रही है।

बैठक में बताया गया कि विभिन्न विभागों के 23 अधिनियमों के तहत अनुपालन बोझ को कम करने के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। सभी 23 अधिनियमों में सुधारों की संरचना 4 चरणों में की जा रही है। इन चारों चरणों में प्रपत्रों, प्रक्रियाओं का सरलीकरण और दस्तावेजीकरण, अतिरेक का उन्मूलन, जिसके तहत पुराने कानूनों, प्रावधानों और अनावश्यक अनुपालन को निरस्त किया जा रहा है, ऑफलाइन से पूरी तरह से ऑनलाइन प्लेटफार्मों में पारगमन के लिए डिजिटलीकरण और रिटर्न जमा करने में देरी और दाखिल न करने जैसे छोटे अपराधों का अपराध-मुक्त करना शामिल है। बी.आर.ए.पी.-2024 के लिए 15 फरवरी, 2025 तक विभिन्न विभागों में कुल 435 सुधार किए जाने हैं। बैठक में वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री ए.के. सिंह, सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती जी. अनुपमा तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूली विद्यार्थियों में नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता लाने के लिए करने होंगे सामूहिक प्रयास

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम। डीसी अजय कुमार ने कहा कि आज जब पूरी दुनिया नशीली दवाओं की लत के खतरे का सामना कर रही है जिसका व्यसनी, व्यक्ति, परिवार और समाज के एक बड़े हिस्से पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। ऐसे में हम सभी को हमारे स्कूली विद्यार्थियों में नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता लाने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। डीसी अजय कुमार बुधवार को गुरूग्राम के सेक्टर 49 में स्थित डीएवी पबलिक स्कूल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा ड्रग्स और मादक द्रव्यों के सेवन के बारे में आयोजित जागरूकता कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में गुरुग्राम सहित एनसीआर के विभिन्न स्कूलों के प्रिंसिपल/प्रमुख उपस्थित रहे।

डीसी अजय कुमार ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि हमें हमारी युवा पीढ़ी में नशे की लत को खत्म करने की चुनौती से निपटने के लिए समाज के सभी लोगों को एकजुट होकर इस सामाजिक उद्देश्य के लिए संघर्ष करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थ उपयोग विकार एक ऐसा मुद्दा है, जो देश के सामाजिक ताने-बाने पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। किसी भी मादक पदार्थ पर निर्भरता न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि उसके परिवार और पूरे समाज को भी बाधित करती है। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या की रोकथाम में समाज व स्कूल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। समाज को आगे आकर मादक पदार्थों और इनके आपूर्तिकर्ताओं का बहिष्कार करना चाहिए। इसके लिए एक सामाजिक तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। डीसी ने कहा कि हमें माता-पिता और अभिभावकों को भी जागरूक करना होगा ताकि वे अपने बच्चों और युवाओं के साथ कैसे व्यवहार करें और उन्हें नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरे से दूर रखने के लिए क्या उपाय करें। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के उपयोग के खिलाफ लड़ाई में मजबूत पारिवारिक मूल्य शक्तिशाली अस्त्र साबित हो सकते हैं।

डीसी ने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन रोकने के साथ-साथ हमें इसके पीड़ितों के पुनर्वास के लिए भी एक संपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना होगा। उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग करने के बजाय हमें उनके प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए और उनकी मदद करनी चाहिए, ताकि वे अपनी गलतियों का अहसास कर सकें और सामान्य जीवन में लौट सकें। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति के लिए सबसे जरूरी यह है कि हम स्वयं इसके प्रति जागरूक बनें तथा इसे अपनी जिम्मेदारी समझकर अपने तथा अपने समाज के सभी लोगों को इस समस्या से मुक्त कराएं। इस दौरान उन्होंने सभी स्कूल प्रमुख से इस अभियान में अपनी महती भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ समाज में जागरूकता पैदा करने के लिए सभी गैर-सरकारी संगठनों और आध्यात्मिक संगठनों की सराहना भी की।

कार्यक्रम में हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो से पुलिस अधीक्षक पंखुड़ी कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षण संस्थाओं के सहयोग से स्कूली विद्यार्थियों में ड्रग्स व अन्य नशों से संबंधित सामाजिक बुराइयों पर काबू पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नशे से जुड़े किसी भी पदार्थ का उपयोग शौक के रूप में भी नहीं करना चाहिए। हमें जितना हो सके इससे दूर ही रहना चाहिए और ज्यादातर युवाओं को इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) के तहत देश में स्कूली विद्यार्थियों के लिए नवचेतना मॉड्यूल विकसित किया है। जो स्कूलों में विद्यार्थियों के बीच जीवन कौशल और नशीली दवाओं पर जागरूकता तथा ज्ञान बढ़ाने के उद्देश्य से शिक्षकों द्वारा प्रचारित व कार्यान्वित किए जाएंगे। उन्होंने हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो द्वारा की गई चक्रव्यूह व राम गुरूकुल गमन जैसी सार्थक पहलों का उल्लेख करते हुए बताया कि हरियाणा राज्य में अभी तक 47 प्रतिशत गांव व निकाय क्षेत्रों में 42 प्रतिशत वार्ड ड्रग्स फ्री घोषित किए गए हैं। पंखुड़ी कुमार ने इस दौरान ड्रग्स फ्री अभियान में स्कूल कैसे सहयोग करें व अपनी बात रखने के लिए वे किन फॉर्म्स में संपर्क कर सकते हैं। इस पर भी अपने विचार रखे।

कार्यशाला में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सेक्रेटरी हिमांशु गुप्ता, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के उपनिदेशक डॉ अनीश, चिन्मया इंटरनेशनल स्कूल कोयंबटूर से निदेशक शांति कृष्णमूर्ति, डीएवी पबलिक स्कूल सेक्टर-49 की प्रिंसिपल चारू मैनी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें।
नोट: मेल में नाम, पता और मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
samachargate@gmail.com

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

पुष्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल का लुत्फ, लज़ीज व्यंज़न और लोक नृत्यों का है संगम

अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले घोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

आकर्षण

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्वैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्ज़री नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, ज़िप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी.दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फ़ोटो खीचते नज़र आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्मा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुर्मुखी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रूपये के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अर्णीराज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं। गर्भगृह में बंशी बजाते हुए भगवान वेणुगोपाल की श्याम वर्ण की लुभावनी प्रतिमा है। मंदिर मकराना के श्वेत पत्थर से निर्मित है, जिसके दोनों ओर जय-विजय द्वारपाल हैं। इसी मंदिर में रूकमणी, श्रीकृष्ण, भूदेवी, सत्यभामा की पंचधातु की प्रतिमाएं हैं। चैत्र माह में भगवान रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया जाता है।

अरावली पर्वत की घाटियों में बसा रणकपुर जैन मंदिर

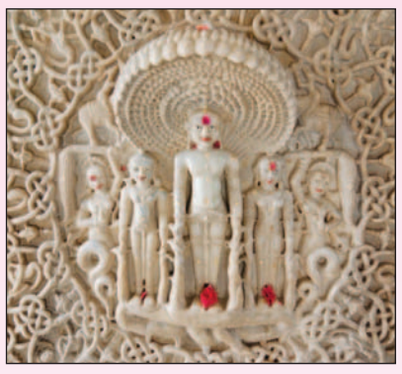

राजस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य चारों ओर जंगलों से घिरे रणकपुर में भगवान ऋषभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है। जंगलों से घिरे होने के कारण इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। भारत के जैन मंदिरों में संभवतः इसकी इमारत सबसे भव्य एवं विशाल है। रणकपुर मंदिर उदयपुर से 96 किलोमीटर की दूरी पर है।

इस मंदिर की इमारत लगभग 40,000 वर्गफीट में फैली है। आज से करीब 600 वर्ष पूर्व 1446 विक्रम संवत में इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो 50 वर्षों से अधिक समय तक चला। कहा जाता है कि उस समय में इसके निर्माण में करीब 99 लाख रुपए का खर्च आया था। इस मंदिर में 4 कलात्मक प्रवेश द्वार हैं। मंदिर के मुख्य गृह में तीर्थंकर आदिनाथ की संगमरमर से बनी 4 विशाल मूर्तियां हैं। करीब 72 इंच ऊंची ये मूर्तियां 4 अलग दिशाओं की ओर उन्मुख हैं। इसी कारण इसे चतुर्मुख मंदिर कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर में 76 छोटे गुम्बदनुमा पवित्र स्थान, 4 बड़े प्रार्थना कक्ष तथा 4 बड़े पूजन स्थल हैं। ये मनुष्य को जीवन-मृत्यु की 84 योनियों से मुक्ति प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस मंदिर की प्रमुख विशेषता इसके सैकड़ों खंभे हैं जिनकी संख्या करीब 1,444 है। यहां आप जिस तरफ भी नजर घुमाएंगे आपको छोटे-बड़े आकारों के खंभे दिखाई देते हैं, परंतु ये खंभे इस प्रकार बनाए गए हैं कि कहीं से भी देखने पर मुख्य पवित्र स्थल के दर्शन में बाधा नहीं पहुंचती है। इन खंभों पर अतिसुंदर नक्काशी की गई है। इन खंभों की खास विशेषता यह है कि ये सभी अनोखे और अलग-अलग कलाकृतियों से निर्मित हैं। मंदिर की छत पर की गई नक्काशी इसकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।

मंदिर के निर्माताओं ने जहां कलात्मक दोमंजिला भवन का निर्माण किया है, वहीं भविष्य में किसी संकट का अनुमान लगाते हुए कई तहखाने भी बनाए गए हैं। इन तहखानों में पवित्र मूर्तियों को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये तहखाने मंदिर के निर्माताओं की निर्माण संबंधी दूरदर्शिता का परिचय देते हैं।

विक्रम संवत 1953 में इस मंदिर के रखरखाव की जिम्मेदारी एक ट्रस्ट को दे दी गई थी। उसने मंदिर के पुनरुद्धार कार्य को कुशलतापूर्वक कर इसे एक नया रूप दिया। पत्थरों पर की गई नक्काशी इतनी भव्य है कि कई विख्यात शिल्पकार इसे विश्व के आश्चर्यों में से एक बताते हैं। हर वर्ष हजारों कलाप्रेमी इस मंदिर को देखने आते हैं। इसके अलावा यहां संगमरमर के टुकड़े पर भगवान ऋषभदेव के पदचिह्न भी हैं। ये भगवान ऋषभदेव तथा शत्रुंजय की शिक्षाओं की याद दिलाते हैं।

रणकपुर का निर्माण कैसे हुआ- इस मंदिर का निर्माण 4 श्रद्धालुओं- आचार्य श्यामसुंदरजी, धरन शाह, कुंभा राणा तथा देपा ने कराया था। आचार्य सोमसुंदर एक धार्मिक नेता थे जबकि कुंभा राणा मलगढ़ के राजा तथा धरन शाह उनके मंत्री थे। धरन शाह ने धार्मिक प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर भगवान ऋषभदेव का मंदिर बनवाने का निर्णय लिया था।

कहा जाता है कि एक रात उन्हें स्वप्न में नलिनीगुल्मा विमान के दर्शन हुए, जो पवित्र विमानों में सर्वाधिक सुंदर माना जाता है। इसी विमान की तर्ज पर धरन शाह ने मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह ने कई वास्तुकारों को आमंत्रित किया। इनके द्वारा प्रस्तुत कोई भी योजना उन्हें पसंद नहीं आई। अंततः मुंदारा से आए एक साधारण से वास्तुकार दीपक की योजना से वे संतुष्ट हो गए।

मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह को मलगढ़ नरेश कुंभा राणा ने जमीन दी। उन्होंने मंदिर के समीप एक नगर बसाने का भी सुझाव दिया। मंदिर के समीप मदगी नामक गांव को इसके लिए चुना गया तथा मंदिर एवं नगर का निर्माण साथ ही प्रारंभ हुआ। राजा कुंभा राणा के नाम पर इसे रणपुर कहा गया, जो बाद में रणकपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज का रणकपुर पुरानी विरासत और इसे सहेजकर रखने वालों के बारे में भी संदेश देता है जिनके कारण रणकपुर मात्र एक विचार से वास्तविकता में बदल सका।

वैसे भी राजस्थान अपने भव्य स्मारकों तथा भवनों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थुान में स्थित रणकपुर मंदिर जैन धर्म के 5 प्रमुख तीर्थस्थरलों में से एक है। यह मंदिर खूबसूरती से तराशे गए प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर के आसपास ही नेमीनाथ और पार्श्वनाथ को समर्पित 2 मंदिर हैं, जो हमें खजुराहो की याद दिलाते हैं। यहां निर्मित सूर्य मंदिर की दीवारों पर योद्धाओं और घोड़ों के चित्र उकेरे गए हैं, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण के समान है। यहां से लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर माता अम्बा का मंदिर भी है।

कैसे पहुंचें:-

सड़क मार्ग:- उदयपुर देश के प्रमुख शहरों से सड़कों के जरिए जुड़ा हुआ है। उदयपुर से यहां के लिए प्राइवेट बसें तथा टैक्सियां उपलब्ध रहती हैं। आप यहां अपने निजी वाहन से भी जा सकते हैं।

रेलवे:- यहां पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टे शन उदयपुर ही है, साथ ही रणकपुर के लिए सभी प्रमुख शहरों से रेलगाड़ियां उपलब्धे हैं।

वायु मार्ग:- रणकपुर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर है। दिल्लीं, मुंबई से यहां के लिए नियमित उड़ानें हैं।

आसपास के क्षेत्रों में पावापुरी सिरोही, संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम, माउंट आबू, दिलवाड़ा का विख्यात जैन मंदिर भी हैं, जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

समाधान शिविर से जनता व प्रशासन के बीच सुगम हुआ संवाद : उपायुक्त

शिविर का ध्येय जनता व प्रशासन के बीच विश्वास बढ़ाना

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित करवाये जा रहे समाधान शिविर आमजन और प्रशासन के बीच की दूरी को खत्म कर सुगम संवाद का बेहतर जरिया बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में प्रत्येक कार्य दिवस जिला स्तर व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि समाधान शिविर का मकसद केवल समस्याओं के निपटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकारी योजनाओं को समुचित ढंग से लागू करना भी है। सरकार योजनाओं का लाभ लेने में जो परेशानियां आती हैं उनका समाधान शिविर में समाधान करते हुए पात्र नागरिकों को योजना का लाभ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि शिविर आयोजन का मुख्य लक्ष्य जनता का प्रशासन में विश्वास बढ़ाना है। अधिकारियों को निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन के लिए हर शिकायत महत्वपूर्ण है, और इसे त्वरित और प्रभावी ढंग से हल करना संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी है।

समाधान शिविर का महत्व

समाधान शिविर एक ऐसा मंच है, जहां जिले के लोग अपनी रोजमर्रा की समस्याओं को लेकर सीधे प्रशासन से संवाद कर सकते हैं। शिविर में जिला के सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं, जो मौके पर ही शिकायतों का निपटारा करते हैं। चाहे वह बिजली, पानी, शिक्षा, या राजस्व संबंधी हो, हर समस्या का समाधान त्वरित गति से किया जा रहा है।

समाधान शिविर की विशेषताएं

हर विभाग की सहभागिता, सभी विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहते हैं। सीधे संवाद की सुविधा, जनता और अधिकारियों के बीच सीधा संवाद होता है। तत्काल समाधान, अधिकतर मामलों का निपटारा तत्काल किया जाता है। पारदर्शिता और जवाबदेही, हर शिकायत की ऑनलाइन ट्रैकिंग और फॉलो-अप।

जल शक्ति अभियान के टारगेट को निर्धारित समयावधि में करें पूरा : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

उपायुक्त ने बैठक में की जल शक्ति अभियान की समीक्षा

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला में जल शक्ति अभियान से संबंधित टारगेट को निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाए, इसके लिए संबंधित विभाग जरूरी कार्यवाही सुनिश्चित करें। सभी विभाग द्वारा करवाई जा रही गतिविधियों को गूगल शीट और भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड जरूर करें। यदि किसी को पोर्टल पर अपलोड करने में किसी प्रकार की दिक्कत आ रही है तो वे सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता कार्यालय से संपर्क करें। उपायुक्त बुधवार को स्थानीय लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हाल में जल शक्ति अभियान संबंधी कार्यों की समीक्षा के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि जल शक्ति अभियान भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसके तहत प्राकृतिक जल संसाधनों का जीर्णोद्धार करना है। इसके साथ-साथ लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। उपायुक्त ने बैठक के दौरान जल शक्ति अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और इस अभियान से संबंधित अधिकारियों से उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उपायुक्त ने कहा कि जिन गांवों या खेतों में जलभराव की समस्या है, उनमें पानी निकासी के उचित प्रबंध सुनिश्चित हों तथा इन गांवों में जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जल शक्ति अभियान के दौरान जनस्वास्थ्य विभाग, यूएलबी, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई, वन, कृषि, विकास एवं पंचायत विभाग आदि जनता से सीधे रूप से जुड़े विभागों को उनके विभाग से संबंधित टारगेट दिए गए हैं। इसके तहत शॉकपिट बनवाए जाने हैं, जिनको शीघ्रता से बनवाया जाए। इसी प्रकार से बारिश के पानी का संचय करने के लिए रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने के लिए संबंधित विभाग इस कार्य को प्रमुखता से लें। उन्होंने स्थानीय शहरी निकाय विभाग, पंचायत विभाग, जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे उनको दिए गए रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने के टारगेट को जल्द से जल्द पूरा करें और इसके साथ-साथ उनको गूगल शीट और भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड जरूर करें। उन्होंने कहा कि यदि सरकार द्वारा दिए गए पोर्टल पर अपने विभाग की गतिविधियों को अपलोड नहीं करते हैं तो पोर्टल पर संबंधित विभाग का परिणाम शून्य दिखाई देता है।

इस दौरान डीएमसी सुशील कुमार मलिक, सिंचाई विभाग के कार्यक्रम अभियंता मुकुल कथूरिया, जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता प्रदीप कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व नीतियों से जागरूक कर रही भजन पार्टियां

जिला में सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा चलाया जा रहा है प्रचार अभियान

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। आम जनमानस को हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व नीतियों से जागरूक करने के उद्देश्य से उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के मार्गदर्शन में सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग हरियाणा के नूंह कार्यालय की भजन पार्टी द्वारा जिला के गांव-गांव पहुंचकर प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के नूंह कार्यालय की भजन पार्टी ने बुधवार को एलबीपी करतार के नेतृत्व में गांव चाहलका, सूंध व जफराबाद में पहुंचकर ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व नीतियों बारे जागरूक किया। भजन पार्टी द्वारा हरियाणवी लोक शैली में ग्रामीणों को सरकार की उपलबधियों से भी अवगत कराया गया। जिलाभर में प्रचार अभियान में विभागीय नियमित भजन पार्टी ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए दस्तक दे रही हैं। भजन पार्टियां अपनी गीत व संगीतमयी मनोरंजक प्रस्तुतियों के माध्यम से सरकार की योजनाएं, नीतियों और उपलबधियों के बारे में आमजन को जागरूक करने का काम कर रही है।

प्रचार अभियान का उद्देश्य आमजन को सरकार की विकासात्मक नीतियों, योजनाओं, उपलबधियों के साथ-साथ लोकप्रिय योजनाओं बारे लोक गायन शैली के माध्यम से जागरूक करना है।

हरियाणा के बेरोजगार युवाओ व किसानो को प्रशिक्षण दिलाकर बनाया जाएगा ड्रोन पायलेट : डीसी

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि हरियाणा सरकार ने राज्य के बेरोजगार युवाओ व किसानो को ड्रोन पायलेट प्रशिक्षण देने की महत्वपूर्ण घोषणा की थी जिसकी अनुपालना में अब हरियाणा सरकार ने कृषि एंव किसान कल्याण विभाग हरियाणा के माध्यम से ड्रोन प्रशिक्षण प्रक्रिया की शुरूआत कर दी है। उपायुक्त ने बताया कि यह प्रशिक्षण किसानो को पूर्णत: निशुल्क प्रदान किया जाएगा जिसमें प्रशिक्षण के साथ-साथ रहने व खाने का खर्च भी विभाग द्वारा ही वहन किया जाएगा।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि 18 से 45 वर्ष की आयु तक के किसान व बेरोजगार युवा इस ड्रोन पायलेट प्रशिक्षण के लिए आवेदन कर सकते है। यह प्रशिक्षण 2 चरणो में कुल 8 दिन में पूर्ण करवाया जाएगा। आवेदक कम से कम 10वीं परिक्षा पास व उसके पास वैध पासपोर्ट हो और वह किसी किसान उत्पादक संगठन या कस्टम हायरिंग सैन्टर का सदस्य होना अनिवार्य है। ये सभी योग्याताएं रखने वाले इच्छुक किसान व बेरोजगार युवा ड्रोन पायलेट बनने के लिए 20 जनवरी से 05 फरवरी 2025 तक कृषि एंव किसान कल्याण विभाग के www.agriharyana.gov.in पोर्टल पर आवेदन कर सकते है। आवेदक का मूलभूत विवरण परिवार पहचान पत्र के अनुसार माना जाएगा व आवेदन करते समय पासपोर्ट व उप कृषि निदेशक द्वारा जारी सम्बनधित किसान उत्पादक संगठन या कस्टम हायरिंग सैन्टर द्वारा किए गए कार्य का प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा। अतिम तिथि तक पोर्टल पर प्राप्त होने वाले आवेदनो की जांच संबधित सहायक कृषि अभियन्ता व उप कृषि निदेशक द्वारा की जाएगी और दस्तावेज जांच उपरान्त निर्धारित मापदंड अनुसार वरीयता सूचि तैयार की जाएगी। वरीयता सूचि शैक्षणिक योग्यता, कृषि अनुभव पृष्ठभूमि व एफ पी ओ के अनुभव के आधार पर निर्धारित 100 अंको के आधार पर तैयार की जाएगी। चयनित युवाओ को ड्रोन इमेजिंग एंड इंफॉर्मेशन सर्विस ऑफ हरियाणा लिमिटेड (दृश्या) करनाल एंव बागवानी प्रशिक्षण संस्थान करनाल में प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया जाएगा।

क्या है आवेदन करने की शर्तें : उपायुक्त ने बताया कि ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग के लिए इच्छुक किसान अथवा बेरोजगार युवा की उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच में होनी चाहिए, वे कम से कम दसवीं पास हो, उनके पास वैध पासपोर्ट होना चाहिए और आवेदक अनिवार्य रूप से कस्टम हायरिंग सेंटर अथवा किसान उत्पादक समूह का सदस्य होना चाहिए। एक कस्टम हायरिंग सेंटर अथवा किसान उत्पादक समूह से केवल एक ही आवेदक का चयन मेरिट के आधार पर किया जाएगा।

स्वच्छता अभियान में हर पहलू से भागीदार बनें विभागाध्यक्ष : डीसी

विभागीय अधिकारी अपने कार्यालयों में चलाए स्वच्छता अभियान

डीसी विक्रम सिंह ने कहा - बेहतर स्वच्छ वातावरण से कार्य करने की ऊर्जा मिलती है

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। स्वच्छ हरियाणा मिशन के तहत जिले में एक जनवरी से प्रारंभ हुआ स्वच्छता अभिवान प्रभावी रूप से चल रहा है। इस महत्त्वाकांक्षी पहल का उद्देश्य सभी सरकारी कार्यालयों सहित शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता और सौंदर्यकरण को बढ़ावा देना है। जिला में स्वच्छ हरियाणा अभियान को सफल बनाने के लिए बुधवार को डीसी विक्रम सिंह ने सम्बंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिए। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता को लोगों की नियमित दिनचर्या की आदतों में शामिल करना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता जीवन में विकास के द्वार खोलती है। स्वच्छता केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि यह समाज के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता करते हुए स्वच्छता के नए मानक स्थापित करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान में हर पहलू से विभागाध्यक्ष भागीदार बनें।

डीसी ने बताया कि इस दौरान सभी सरकारी भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिला में सरकारी भवनों में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़ी गतिविधियां आयोजित करवाई जा रही हैं। सरकारी भवनों की सफाई, वेस्ट मटेरियल मैनेजमेंट और स्थलों के सौंदर्यकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। स्क्रैप डिस्पोजल और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष टीमें गठित की गई। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार ने स्वच्छ हरियाणा मिशन के अंतर्गत दिसंबर, 2024 के चौथे सप्ताह से 31 जनवरी, 2025 तक हरियाणा राज्य में लगभग 30 दिनों का एक विशेष अभियान आयोजित किया है, जो सभी सरकारी विभागों में उनके संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों/अधिकारियों सहित दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। स्वच्छता अभियान का फोकस प्रशासनिक विभागों/निदेशालयों आदि के साथ-साथ सेवा वितरण के लिए जिम्मेदार तथा सार्वजनिक इंटरफेस वाले क्षेत्रीय/बाहरी कार्यालयों पर होगा।

यह रहे मौजूद :

बैठक में सीईओ जिला परिषद सतबीर मान, एसडीएम फरीदाबाद शिखा, एसडीएम बड़खल अमित मान, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भरद्वाज व सीटीएम अंकित कुमार सहित अन्य विभागों से संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

सरकार की विकासात्मक योजनाओं को पहुंचाया जा रहा है लाभपात्रों तक : डीसी

समाचार गेट/संजय सिंह

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि पेंडिंग शिकायतों को जल्द से जल्द निपटारा करें और लोगों को राहत पहुंचाएं। डीसी विक्रम सिंह लघु सचिवालय के सभागार में सभी विभागों के अधिकारियों के साथ सरकार की विकासात्मक योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक कर रहे थे।

डीसी विक्रम सिंह ने क्रमवार ई-ऑफिस का कार्यान्वयन, नशा मुक्ति केंद्रों की नियमित निगरानी, नशा मुक्त भारत अभियान, जिला स्तरीय सतर्कता समिति, मादक द्रव्य दुरुपयोग से संबंधित, महिलाओं के खिलाफ जघन्य आपराधिक मामले, अपराध की रोकथाम और पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाना, अवैध खनन, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति, जिला स्तरीय समन्वय समिति, चिन्हित अपराध, जिला सड़क सुरक्षा समिति, सुरक्षित स्कूल वाहन नीति, हिट एंड रन मोटर दुर्घटना योजना, ओवरलोड/ओवर डायमेंशनल/अवैध यात्री वाहनों की सख्त जांच आदि मामलों को लेकर विस्तार से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में एसडीएम फरीदाबाद शिखा, एसडीएम बड़खल अमित मान, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, डीसीपी सेंट्रल उषा, डीसीपी ट्रैफिक जसलीन कौर, सीटीएम अंकित कुमार सहित अन्य विभागों से संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार ने आरडब्ल्यूए के सदस्यों के साथ सुरक्षा, यातायात व्यवस्था को लेकर किया गोष्ठी का आयोजन

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने आज अपने कार्यालय में फरीदाबाद की विभिन्न RWAs के साथ सामाजिक मुददो व अन्य समस्याओं को लेकर एक मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस आयुक्त के साथ पुलिस उपायुक्त मुख्यालय अभिषेक जोरवाल, सहायक पुलिस आयुक्त मुख्यालय अभिमन्यु गोयत व RWA की तरफ से N.K गर्ग अध्यक्ष, A.S गुलाटी सेक्रेटरी, गजराज नगर उपाध्यक्ष Confederation of RWAs फरीदाबाद, सुबोध नागपाल सेक्टर-29, अजीत नंबरदार, नंबरदार एसोसिएशन, जोगिंदर बांगिया सेक्टर 16, नरेश सेक्टर 15ए, निशा सेक्टर-29 हाउसिंग बोर्ड, भोपाल सिंह सेक्टर-21 C, सत्यवीर दहिया सेक्टर-29, सिद्धार्थ सैनी सेक्टर-4 A, सतवीर शर्मा सेक्टर-9, रणवीर चौधरी सेक्टर-9 मौजूद रहे।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस आयुक्त कार्यालय में फरीदाबाद की विभिन्न RWAs की तरफ से शहर में मार्किट व मण्डियों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस गस्त बढ़ाने, मार्किट व सडकों से अतिक्रमण हटाने, यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने, मुम्बई एक्सप्रेस वे पर रॉन्ग साइड चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने आदि विषयों पर निवारक कार्य करने के लिए आग्रह किया गया।

पुलिस आयुक्त महोदय ने विभिन्न RWAs की समस्या सुनकर आस्वस्त किया कि उनके द्वारा बतलाई गई समस्याओं पर कार्यवाही की जाएगी। राष्ट्रीय राज्य मार्ग के मुख्य बिन्दु व चौराहों पर जहां अतिक्रमण की वजह से जाम की समस्या रहती है वहां से यातायात पुलिस द्वारा अतिक्रमण हटाया जा रहा है और राष्ट्रीय राज्य मार्ग को जाम मुक्त करने के लिए यातायात पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी है। मुम्बई एक्सप्रेस वे पर रॉन्ग साइड चलने वाले वाहनों पर कार्यवाही की जाएगी। थाना चौकी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बजार/मार्किट में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए गस्त बढाई जाएगी। जिस बारे सभी पुलिस उपायुक्त को निर्देशित किया जाएगा। उन्होने आगे कहा कि फरीदाबाद पुलिस द्वारा संदिग्ध स्थानों को चिन्हित करके नाका बंदी की जा रही है। नाकाबंदी के दौरान दोपहिया/चोपहिया वाहनों को चलाने वाले शरारती तत्वों, खासकर नौजवानों की चेकिंग करके कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के बारे में विषेश ध्यान रखा जाएगा। संबंधित थाना/चौकी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों के वरिष्ठ नागरिकों से प्रत्येक माह में 2 बार अवश्य संपर्क करेगें। इसके अलावा पुलिस आयुक्त महोदय ने यह भी कहा कि RWAs से संबंधित कार्य/समस्याओं के लिए सहायक पुलिस आयुक्त मुख्यालय फरीदाबाद को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। RWAs के सदस्य अपनी समस्याओं के लिए सहायक पुलिस आयुक्त मुख्यालय से संपर्क कर सकते है।

संपादकीय

बुरी तरह फंसते केजरीवाल!

आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल भले ही एक बार फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हो लेकिन इस बार वह बुरी अगर आप 2020 के विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को मिले वोटों की तुलना 2015 के विधानसभा चुनाव से करेंगे तो आपको यह समझ आ जाएगा कि केजरीवाल को अपनी ही विधानसभा सीट पर डर क्यों लग रहा है ? वर्ष 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आप मुखिया अरविंद केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे। लेकिन वर्ष 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में दिल्ली के मुख्यमंत्री होने और कुल मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी होने के बावजूद केजरीवाल को मिले वोटों में भयानक गिरावट आ गई थी। 2015 के चुनाव में जिन केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे, उन्ही केजरीवाल को 2020 के चुनाव में 46,758 वोट ही मिल पाए थे। पिछली बार यानी 2020 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल की जीत का अंतर 21,697 था लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को सिर्फ 3,220 मत ही मिल पाए थे। इस बार शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं और अगर वह आखिर तक पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ पाते हैं तो फिर केजरीवाल के लिए मुसीबतें खड़ी हो जाएगी। क्योंकि इस बार दिल्ली के एक और पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे प्रवेश वर्मा भी नई दिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार के तौर पर प्रवेश वर्मा और कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर संदीप दीक्षित के मजबूती से चुनाव लड़ने की वजह से वोटों का बिखराव होगा,जिसका सीधा-सीधा नुकसान अरविंद केजरीवाल को ही होगा। इसलिए आम आदमी पार्टी के तमाम नेता और स्वयं अरविंद केजरीवाल भी अंदर से डरे हुए हैं। तरह से फंसते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के मजबूती से दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारियों ने तो आम आदमी पार्टी सरकार की वापसी पर प्रश्नचिन्ह लगा ही दिया है लेकिन इस त्रिकोणीय लड़ाई में केजरीवाल की अपनी सीट भी फंसती हुई नजर आ रही है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

अरविंद केजरीवाल इस बात को काफी पहले ही समझ गए थे, इसलिए वह लगातार इंडिया गठबंधन की एकता की बात उठाने लग गए थे। यहां तक कि केजरीवाल ने डीएमके सुप्रीमो एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, शरद पवार, अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई नेताओं से राहुल गांधी को समझाने की गुहार भी लगाई। लेकिन अरविंद केजरीवाल की असलियत से वाकिफ राहुल गांधी ने यह साफ कर दिया कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली में अपने आप को मजबूत करने के लिए चुनाव लड़ेगी। सीलमपुर की अपनी पहली चुनावी रैली में राहुल गांधी ने जिस अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ आप मुखिया अरविंद केजरीवाल, पर भी जमकर निशाना साधा,उससे यह साफ हो गया कि राहुल गांधी अपनी पार्टी को समाप्त कर केजरीवाल की मदद कतई नहीं करेंगे।

कांग्रेस के इस स्टैंड ने अरविंद केजरीवाल की विधायकी पर भी तलवार लटका दिया है। केजरीवाल को अब यह डर सताने लगा है कि अब वह अपनी विधानसभा सीट नई दिल्ली से भी चुनाव हार सकते हैं। केजरीवाल के इस डर के पीछे ठोस कारण है। अरविंद केजरीवाल वर्ष 2013 के अपने पहले विधानसभा चुनाव में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव हराकर, पहले विधायक बने थे और फिर कांग्रेस के ही 8 विधायकों के समर्थन से पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। बताया तो यहां तक जाता है कि 2013 में शीला दीक्षित को चुनाव हराने के लिए कांग्रेस के कई नेताओं ने भी अरविंद केजरीवाल की मदद की थी। लेकिन दिल्ली में पार्टी को फिर से मजबूत बनाने के मिशन में जुटे राहुल गांधी ने इस बार नई दिल्ली विधानसभा सीट से केजरीवाल के खिलाफ स्वर्गीय शीला दीक्षित के बेटे और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को उतार कर लड़ाई को त्रिकोणीय और दिलचस्प बना दिया है।

अगर आप 2020 के विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को मिले वोटों की तुलना 2015 के विधानसभा चुनाव से करेंगे तो आपको यह समझ आ जाएगा कि केजरीवाल को अपनी ही विधानसभा सीट पर डर क्यों लग रहा है ? वर्ष 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आप मुखिया अरविंद केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे। लेकिन वर्ष 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में दिल्ली के मुख्यमंत्री होने और कुल मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी होने के बावजूद केजरीवाल को मिले वोटों में भयानक गिरावट आ गई थी। 2015 के चुनाव में जिन केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे, उन्ही केजरीवाल को 2020 के चुनाव में 46,758 वोट ही मिल पाए थे। पिछली बार यानी 2020 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल की जीत का अंतर 21,697 था लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को सिर्फ 3,220 मत ही मिल पाए थे। इस बार शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं और अगर वह आखिर तक पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ पाते हैं तो फिर केजरीवाल के लिए मुसीबतें खड़ी हो जाएगी। क्योंकि इस बार दिल्ली के एक और पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे प्रवेश वर्मा भी नई दिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार के तौर पर प्रवेश वर्मा और कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर संदीप दीक्षित के मजबूती से चुनाव लड़ने की वजह से वोटों का बिखराव होगा,जिसका सीधा-सीधा नुकसान अरविंद केजरीवाल को ही होगा। इसलिए आम आदमी पार्टी के तमाम नेता और स्वयं अरविंद केजरीवाल भी अंदर से डरे हुए हैं।

गोवर्धन महाराज की महिमा सबसे न्यारी : महंत सीताराम दास महाराज

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लबगढ़। गौ मानव सेवा ट्रस्ट बल्लबगढ़ द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस पर गौशाला नंदीग्राम में व्यास पीठ पर विराजमान महंत श्री सीताराम दास जी महाराज निर्मोही अखाड़ा गोवर्धन से पधारे । व्यास जी ने अपनी मधुर वाणी से गोवर्धन पूजा व गोवर्धन उत्सव मनाया ।गोवर्धन महाराज की वंदना कृष्ण भगवान व सभी देवता करते है ।गोवर्धन महाराज की महिमा सबसे न्यारी है। कथा में मुख्य अतिथि के रुप मे पधारे टिपर चन्द शर्मा द्वारा व्यास जी का पूजन व सम्मान किया गया। गौशाला की ओर से राव रामपाल , सुरेंद्र शेखावत ,रूपेश यादव द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। गो मानव सेवा ट्रस्ट की ओर से कथा उपरांत अनुकूट प्रसाद वितरण किया गया।

पुलिस ने एनएच 152डी से गोतस्कारी के लिए सरपट दौड रहे कैंटर को काबू किया

पंजाब से पश्चिम बंगाल ले जाए जा रहे 13 गोवंश को भोजावास गोशाला में छुडवाया

सामाजिक संगठनों ने की कनीना थाना इंचार्ज को सम्मानित करने की मांग

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना सदर थाना पुलिस ने बुधवार सुबह करीब साढे 9 बजे गायों से भरे एवं गोतस्करी के लिए सरपट दौड रहे एक कैंटर को काबू करने में सफलता हासिल की है। कैंटर से 13 गोवंश बरामद कर गौशाला में छुडवाया है। इसके साथ ही तीन व्यक्तियों सहित वाहन को कब्जे में लिया गया है।

इस बारे में सदर थाना इंचार्ज निरीक्षक मुकेश ने बताया कि गश्त के दौरान संदेह होने पर पुलिस टीम द्वारा नैशनल हाइवे 152डी से गुजर रहे एक कैंटर को रूकवा कर उसकी जांच की जिसमें चैंकाने वाला खुलासा हुआ। जांच करने पर उसमें गाय भरी हुई मिली। जिन्हें आडा-तिरछा बांध रखा था। पुलिस ने कैंटर सहित 3 व्यक्तियों को काबू कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में उन्होंने पाया कि इन गायों को राजपुरा, पटियाला, पंजाब से भरकर गोकशी के लिए मध्यप्रदेश या पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा था। पुलिस ने इन गोवंश को बाबा हेमादास गौशाला भोजावास में छुडवाया है जहां पशु चिकित्सक से उनका परीक्षण करवाया गया है जिसमें उनकी हालात खतरे से बाहर बताई गई है।

पुलिस द्वारा काबू किए गए आरोपियों की पहचान चाहत कुरैशी निवासी बडाली, थाना बडाची, जिला फतेहगढ पंजाब, अमरीक सिंह वासी राजपुरा, पटियाला पंजाब व हनीसिंह वासी अलीपुर पटियाला पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरूद्ध पशु क्रूरता सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर गहनता से छानबीन शुरू कर दी है।

13 गोवंश की जान बचाने वाले थाना अध्यक्ष को पुरस्कृत करने की मांग

ईधर सामाजिक संगठन बब्बा ग्राम विकास समित, श्रीगौड ब्राहृमण सभा सहित प्रबुधजनों ने थाना अध्यक्ष निरीक्षक मुकेश कुमार की कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए कहा कि मंगलवार को मकर सक्रांति पर्व पर श्रधालुओं की ओर से क्षेत्र की विभिन्न गोशाला में गायों के लिए गुड व चारे की व्यवस्था की गई थी। बुधवार को गोकशी के लिए ले जाई जा रही गायों की जान बचाकर थाना अध्यक्ष ने पुण्य का कार्य किया है। उन्होंने जिला प्रशासन से थाना इंचार्ज निरीक्षक मुकेश कुमार जाखड को गणतंत्र दिवस के मौके पर सम्मानित करने की मांग की है।

कबड्डी में गिरावड की टीम प्रथम व बास की रही द्वितीय स्थान पर

छितरोली में सक्रांति पर्व पर आयोजित प्रतियोगिता में एसडीएम ने किया सम्मानित

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। मकर संक्रांति पर्व पर कनीना उपमंडल के गांव छिथरौली में आयोजित बाबा धुनिगर के मेले में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में विभिन्न स्थानों से आए खिलाडियों ने अपनी क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। विजेता टीमों व खिलाडियों को एसडीएम जितेंद्र सिंह अहलावत ने सम्मानित किया। मेले में दौड़, कुश्ती और कबड्डी की स्पर्धा करवाई गई थी।

सूबेदार सुखबीर सिंह बताया कि कबड्डी में प्रथम स्थान पर रहने वाली गिरावड, जिला रोहतक की टीम को 51 हजार रूपये तथा दूसरे स्थान पर रही बास, जिला हिसार की टीम को 31 हजार रूपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया। कुश्ती में मोहित पहलवान छिथरौली, भोला पहलवान कासनी और रेशम पहलवान बाघोत ने जीत हासिल की।

इस मौके पर जिला प्रमुख डॉ राकेश,डीएसओ नरेंद्र कुंडू, बलवान सिंह, भागमल, नरेंद्र कुमार शास्त्री, सूबेदार रामवीर, सरजीत सिंह, पीटीआई बलकेश, मा हवा सिंह, हनुमान, नंबरदार उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाने के लिए एसडीएम ने बैठक में दिए दिशाा-निर्देश

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। आगामी 26 जनवरी को राजकीय महाविद्यालय कनीना के प्रांगण में आयोजित होने वाले उपमंडल स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाने के लिए बुधवार को एसडीएम कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता एसडीएम जितेंद्र सिंह अहलावत ने की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गणतंत्र दिवस को धूमधाम से मनाए जाने के लिए सामुहिक रूप से प्रयास करें। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों को अलग-अलग जिम्वारियां सौंपी। इस समारोह के मुख्यातिथि एसडीएम होगें जो तिरगें को सलामी देगें। राष्ट्रीय पर्व पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की दिशा में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों की ओर से रिहर्सल जारी है। समारोह में विभिन्न विभागों की झांकियां, पुलिस टुकडी एंव एनसीसी कैडेटों की ओर से मार्च पास्ट, विद्यार्थियों द्वारा पीटी डंबल शो, योगा सहित देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएगें। बैठक में नगरपालिका, बिजली निगम, खाद्य एवं पूर्ति विभाग,विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य, मार्केट कमेटी, खंड शिक्षा अधिकारी, पुलिस, कृषि ज्ञान केंद्र ,महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य सहित विभिन्न विभागों के मुखिया उपस्थित थे।

माननीय हाईकोर्ट ने पिनगवां में दुकानदारों को दी राहत, पंचायत को लगाई फटकार

हाईकोर्ट के आदेश पर बीडीपीओ ने आनन-फानन में खुलवाई दुकानें, 8 जनवरी को पीला पंजा चलाकर दुकानों पर लगाई थी सील

पंचायत की 21 दुकानों पर पिछले दो साल से चल रहा है विवाद

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। बीते 8 जनवरी को पिनगवां में पंचायत की 21 दुकानों पर पुनहाना के एसडीएम संजय कुमार, पिनगवां के बीडीपीओ सुरजीत के साथ-साथ पिनगवां ग्राम पंचायत के सरपंच पति द्वारा पिनगवां की 21 दुकानों पर पीला पंजा चला कर उनमें सील लगाई गई थी। जिससे इन दुकानदारों को ग्राम पंचायत द्वारा पटरी पर ला दिया गया था। लेकिन दुकानदारों ने हाई कोर्ट की शरण ली और मात्र 7 दिन बाद सरपंच द्वारा लगाई सील को हाई कोर्ट के आदेश पर तोड़कर बीडीपीओ कार्यालय के कर्मचारियों ने ताले खोल दिए। जिससे दुकानदारों ने राहत की सांस ली है। इतना ही नहीं सात दिन बाद खुली दुकानों से गरीब दुकानदारों के चेहरे पर रौनक लौट आई और सभी दुकानदारों ने मान्य हाईकोर्ट का आभार जताया है। पिनगवां पंचायत की दुकानों में पिछले लगभग 15 सालों से रह रहे गोपाल जयसवाल, डैनी जायसवाल, रोशन गोतम,नौरंग खान ,पवन कसाना सहित सभी दुकानदारों ने कहा कि हमारी दुकानों को 8 जनवरी को बगैर किसी नोटिस दिए पिनगवां के सरपंच ने पीला पंजा चलाकर तुड़वाया था और हमारा जिसमें लाखों रुपए का नुकसान किया गया था। जिसको लेकर उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली और हाईकोर्ट ने उन्हें राहत देते हुए गरीब लोगों की सुनते हुए न्याय दिलाया है और उनकी दुकानों को खुलवाने के आदेश दिए हैं। जिससे वह मान्य हाई कोर्ट का आभार जताते हैं। उन्होंने कहा कि सरपंच द्वारा उनके साथ अन्याय किया गया था और उनकी दुकानों को तोड़कर लाखों रुपए का नुकसान किया गया था ,लेकिन आज मान्य हाईकोर्ट ने गरीब लोगों की सुनते हुए उन्हें न्याय दिलाया है और उन्हें दुकान सौंपने का काम किया है। जिससे वह हाई कोर्ट का आभार जताते हैं, इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि सभी दुकानदार समय पर पंचायत के खाते में हर साल का किराया भर रहे हैं, लेकिन फिर भी उनके साथ तानाशाही करते हुए सरपंच द्वारा उनकी दुकानों को तोड़कर सील लगाई गई थी।

क्या है पूरा मामला

आपको बता दें कि पिनगवां में पंचायत की मेन सड़क पर लगभग 80 दुकानें हैं, जो करोड़ों रुपए में लीज पर दी जाती हैं। मेन सड़क पर पंचायत की बनी ये दुकान पंचायत के लिए कोहिनूर का हीरा साबित होती है और पंचायत की आमदनी बढ़ाती हैं। दो साल पहले सरपंच ने पिनगवां की इन दुकानों पर बोली लगाई थी, लेकिन दुकानदारों का आरोप है कि सरपंच ने अपने चाहने वाले दुकानदारों को हजारों में ,जबकि दूसरे लोगों को लाखों रुपए में बोली लगाकर यह दुकान छोड़ी गई थी। जिसमें बोली के समय भी पूरी पारदर्शिता नहीं बरती गई थी। दुकानदारों का कहना है कि इसी वजह से 21 दुकानदारों ने बोली लगाने के बावजूद भी दुकान नहीं मिलने पर अपनी दुकान खाली नहीं की और वह पंचायत के खाते में अपना किराया जमा करते आ रहे हैं। दुकानदारों ने बताते हुए कहा कि सरपंच उनसे राजनीतिक भेदभाव कर रहा है और बगैर किसी नोटिस और आदेश के उनकी दुकान तोड़कर उन पर सील लगाई गई थी।

कया कहते हैं बीडीपीओ सुरजीत

पिनगवां खंड के बीडीपीओ सुरजीत से जब इस बारे में बात हुई तो उन्होंने कहा कि 8 जनवरी को एसडीएम पुनहाना के आदेश पर इन दुकानों पर पीला पंजा चलाकर सील लगाई थी और अब माननीय हाईकोर्ट के आदेश पर इनको खोलकर उन्हीं दुकानदारों को सौंप दिया गया है।

34 दिन बाद भी नहीं हो पाया बागोत के मोहित का अंतिम संस्कार

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। खंड के गांव बाागोत निवासी 26 वर्षीय युवक मोहित के शव का 34 दिन का समय व्यतीत होने के बाद भी अंतिम संस्कार नहीं हो सका। पीडित पिता कैलाश चंद न्याय की मांग को लेकर हाईकोर्ट पंहुच गया है जहां आज बृहस्पतिवार 16 जनवरी को उनकी अर्जी पर सुनवाई होने की संभावना है। मंगलवार को उन्होंने हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की थी जिस सीआरएम नम्बर जारी किया गया। बृहस्तिवार को किसी नतीजे पर पंहुचने की संभावना है। प्रशासन लगातार हालातों पर नजर बनाए हुए है। उल्लेखनीय है कि 26 वर्षीय युवक मोहित द्वारा 13 दिसंबर 2024 की रात्री को फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली थी। जिसकी सूचना मिलने पर कनीना सदर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे उपनागरिक अस्पताल कनीना में भिजवा दिया था। शनिवार 14 दिसंबर को उन्होने कनीना अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा दिया था। मृतक युवक के पिता कैलाश चंद ने प्रदेश के पूर्व मंत्री सहित 8 व्यक्तियों के विरूध कार्रवाई की मांग को लेकर शव लेने से मना कर दिया था। पुलिस प्रशासन इस सम्बंध में साक्ष्य उपलब्ध करवाने की बात कह रही है। इसी दांवपेच में मृतक का अंतिम संस्कार नहीं किया जा सका है। पिछले महिनेभर से अधिक का समय व्यतीत होने के बाद भी मृतक युवक का शव एसडीएच कनीना के फ्रीजर में रखा हुआ है। जिसमें संक्रमण पनप रहा है। पुलिस प्रशासन पूरे प्रकरण पर नजर बनाए हुए है।

किसानों के लिए भोजावास में कृषि मेले का आयोजन आज

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-अटेली रोड स्थित गांव भोजावास में आज बृहस्पतिवार,16 जनवरी को किसान संगोष्ठि व कृषि मेले का आयोजन किया जायेगा। सुबह 10 बजे आयोजित होने वाली इस संगोष्ठि वमेले के मुख्यातिथि जिला पार्षद प्रमुख डॉ राकेश कुमार होगें तथा अध्यक्षता पंचायत समिति कनीना के चेयरमैन जयप्रकाश यादव की रहेगी। उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ अजय कुमार यादव ने बताया कि कृषि मेले में कृषि सम्बंधी 25 स्टॉल लगाई जाएगीं। जिसमें किसानों को उन्नत किस्म के बीज, तकनीकी जानकारी सहित कृषि उपकरणों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा कृषि विशेषज्ञ,पशुपालन सहित बागवानी से जुडे विशेषज्ञ किसानों को सरकारी योंजनाओं इत्यादि की नयी जानकारी देगें।

एसडीएम नूंह प्रदीप अहलावत ने गांवों में विकास कार्यों का किया निरीक्षण

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपमंडल अधिकारी (ना.) नूंह प्रदीप अहलावत ने बुधवार को आईएमटी सोहना के साथ लगते गांव रेवासन, धीरधोका, कंवरसीका व बडेलाकी का दौरा किया तथा इन गांवों में एचएसआईआईडीसी के माध्यम से चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उनके साथ एचएसआईआईडीसी के एजीएम व एसडीओ, नायब तहसीलदार व पंचायत अधिकारी इंडरी, ग्राम सचिव व संबंधित गांवों के सरपंच भी मौजूद थे। एसडीएम ने निरीक्षण में गांवों में हुए विकास कार्यों संबंधी रिपोर्ट को संतोषजनक पाया तथा जहां पर कुछ कमियां थी, उन्हें दूर करने के लिए एचएसआईआईडीसी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। संबंधित विभाग के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि आगामी एक सप्ताह में सभी विकास कार्यों को पूरा कर दिया जाएगा। एसडीएम ने एचएसआईआईडीसी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आगामी दिनों में आईएमटी सोहना के साथ लगते सभी 9 गांवों के लोगों की बैठक बुलाएं तथा उनकी मांगों के संबंध में उचित कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि इससे पहले उन्होंने गत 9 जनवरी को गांव रेवासन, रूपाहेड़ी, महरौला, खेडलीकंकर, रोजकामेव, बहादरी, धीरधोका, कंवरसीका व बडेलाकी में स्वीकृत हुए विकास कार्यों व पूर्ण हो चुके विकास कार्यों की समीक्षा की थी।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

बिहार के श्रम मंत्री को धमकी देने वाला आजमगढ़ से गिरफ्तार

पटना। बिहार के श्रम मंत्री संतोष सिंह को धमकी देने के मामले में कार्रवाई हुई है। यूपी के आजमगढ़ से आरोपी संजय यादव को गिरफ्तार किया है। पटना की सेंट्रल एसपी स्वीटी सहरावत ने बताया कि डीएसपी के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन कर अनुसंधान शुरू की गई। इसमें धमकी भरे कॉल के नंबर की जांच हुई, तब लोकेशन आजमगढ़ जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र का मिला। पटना पुलिस ने यूपी के फूलपुर पुलिस से संपर्क साधा। इसके बाद धमकी देने वाले युवक संजय को गिरफ्तार किया गया। आरोपी संजय यादव ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर नीतिश के श्रम मंत्री संतोष सिंह को धमकी दी थी। मंत्री से 30 लाख की डिमांड की गई थी। रुपए नहीं देने पर अंजाम भुगतने की बात कही गई थी। यूपी में गिरफ्तारी के बाद पटना पुलिस फ्लाइट से यूपी पहुंची। न्यायिक प्रक्रिया के बाद पटना लेकर आई। पूछताछ में यादव ने बताया कि वहां 3 महीने पहले मुंबई से यूपी अपने घर आया था। अपने घर के निर्माण कार्यों में लगा था। आर्थिक तंगी से परेशान होकर बिहार सरकार के कई मंत्रियों का नंबर निकाला, फोन करने लगा। इसमें उसका एक कॉल बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह का लगा। तभी आरोपी ने 30 लाख की रंगदारी मांगी, नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी।

महाराष्ट्र में तीन साल के दौरान 95,150 सड़क हादसे, 41,612 लोगों ने गंवाई जान

मुंबई। पिछले तीन वर्षों में महाराष्ट्र में कुल 95,150 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 41,612 लोगों की जान चली गई है। सामने आए आंकड़ों के अनुसार राज्य में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है। पिछले तीन सालों में यानी 2022 से 2024 तक राज्य में कुल 41,612 लोगों की मौत हुई है। इसका मतलब यह है कि दुर्घटना मृत्यु दर लगभग 43.73 प्रतिशत है। जो कि निश्चित रूप से चिंताजनक बात है। यह आंकड़े राज्य परिवहन विभाग (आरटीओ) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार सामने आए हैं। आंकड़ों से पता चला है कि राज्य में 64 प्रतिशत मौतें पीछे की सीट पर बैठे दोपहिया वाहन चलाने वाले लोगों की होती हैं। इनमें से 80 प्रतिशत मामलों में शव बिना हेलमेट के पाए गए। वहीं बात करें मुंबई की तो पिछले साल जनवरी से नवंबर के बीच मुंबई और महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में 4,935 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इनमें से अकेले मुंबई में 2,319 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में दुर्घटनाओं में 1,108 लोग मारे गये। इसी अवधि के दौरान राज्य में 32,801 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 13,823 लोगों की मौत हुई। इस बीच, बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में रडार आधारित इंटरसेप्टर वाहन तैनात किए जा रहे हैं। जो कंपनियां प्रति घंटे 1,000 ई-चालान भेज सकेंगी, उन्हें काम करने की अनुमति दी जाएगी। इन वाहनों के शुरू हो जाने पर अगले 15 से 30 दिनों में राज्य भर में मृत्यु दर में कमी आने की संभावना है।

पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से 14 फरवरी तक राहत दी। पूला पर सिविल सेवा परीक्षा में धोखाधड़ी करने और गलत तरीके से ओबीसी और विकलांगता कोटा का लाभ उठाने का आरोप लगा है। जस्टिस बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने अग्रिम जमानत की मांग वाली पूजा की याचिका पर दिल्ली सरकार और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को नोटिस दिया है। मामले की सुनवाई 14 फरवरी को होगी। पूजा पर आरोप है कि उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2022 के लिए आवेदन करते समय गलत जानकारी दी थी, ताकि वे आरक्षण लाभ ले सके। हालांकि, उन्होंने इन सभी आरोपों का खंडन किया है।

लालच-चालाकी नहीं आई काम, तिरुपति बालाजी मंदिर से सोना चुराते गिरफ्तार

-आउटसोर्स कर्मचारी कई दिनों से कर रहा था चोरी, 46 लाख का सोना बरामद

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के कर्मचारी को भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के मंदिर से आधा किलो से ज्यादा सोना चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। कर्मचारी का नाम वी पेंचलैया है। उसने पिछले एक साल में 10 से 15 बार सोने के बिस्किट और ज्वेलरी चुराई। चोरी किए गया सोना 650 ग्राम था और उसकी कीमत 46 लाख रुपए है। तिरुपति मंदिर में लोग प्रसाद, साधारण सिक्कों से लेकर कीमती सोने और चांदी चढ़ाते हैं। मंदिर की दानपेटी में यह डाला जाता है। सोने की चोरी ने मंदिर प्रशासन में हड़कंप मचा दी है, जिस कर्मचारी ने मंदिर में सोने की चोरी की उसे एग्रीगोस कंपनी के जरिए से आउटसोर्स किया गया था। वह श्रीवारी परकमणि में तैनात था। वह धीरे-धीरे चोरी कर रहा था। खास बात है कि इस बार कर्मचारी वीरशेट्टी पेंचलय्या को मंदिर के भंडार से सोना और चांदी की वस्तुएं चुराते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। आरोपी कर्मचारी पेंचलय्या दो साल से तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के लिए काम कर रहा था। इस दौरान उसने कई बार चोरी की। वह सोना चुराता और छिपाकर बाहर ले जाता था ताकि किसी को शक न हो। पुलिस ने बताया कि उस पर पर नजर रखी जा रही थी। उसे 100 ग्राम सोने का बिस्किट चुराते हुए पकड़ा गया। यह उसने चुराकर ट्रॉली के पाइप में छिपा दिया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने सोने के बिस्कुट और गहने सहित कुल 655 ग्राम सोना और 157 ग्राम चांदी चुराने की बात कबूल की है। पुलिस ने उससे चोरी का सामान बरामद कर लिया है।

उद्धव की शिवसेना के नेता का छलका दर्द बोले- हमारी हालत भी कांग्रेस जैसी हो गई

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र को राजनैतिक चश्मे से देखा जाए तो सत्ता पक्ष हो या विपक्ष कोई भी खुश नहीं है। यहां आए दिन राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार दिल्ली के चक्कर लगाते दिख रहे हैं तो इधर विपक्षी दल उद्धव ठाकरे की शिवसेना के नेता का दर्द छलकता दिख रहा है। हाल ही में एक वरिष्ठ नेता और विधायक ने शिवसेना यूबीटी की तुलना कांग्रेस की हालत से कर दी। खास बात है कि ये घटनाक्रम ऐसे समय पर हुए हैं, जब मुंबई में बृहमुंबई महानगरपालिका की तैयारियां जारी हैं।

विधायक भास्कर जाधव ने पार्टी के काम करने के तरीकों पर सवाल उठा दिए। सोमवार को उन्होंने रत्नागिरी जिले में चिपलून और आसपास के क्षेत्रों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। उन्होंने कहा, यह कहते हुए दुख होता है, लेकिन हमारी पार्टी की हालत कांग्रेस जैसी हो गई है। हमारे पास काम नहीं करने वाले पदाधिकारियों और नेताओं को हटाने की हिम्मत

नहीं है। वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के सुझाव सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया है कि पार्टी के पदाधिकारियों का निश्चित कार्यकाल होना चाहिए। खास बात है कि उस दौरान बैठक में पूर्व सांसद विनायक राउत और उद्धव ठाकरे के करीबी संजय कदम भी मौजूद थे। जाधव ने कहा, हमें गलत फैसलों पर विचार करना होगा और आगे की प्रक्रिया बेहतर करनी होगी। यह संगठन को मजबूत करेगा और आगामी चुनावों में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा आज हिन्दुत्व सिखा रही है, लेकिन बालासाहब ठाकरे थे, जो ताकतवर कांग्रेस के खिलाफ खड़े हुए थे। उन्होंने कहा, पार्टी के कार्यकर्ता संगठन के लिए मेहनत करना चाहते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से नेता उन लोगों का पक्ष लेते हैं, जो पैसा देते हैं। पार्टी कार्यकर्ता तब ही मेहनत कर सकेंगे, जब नेता ईमानदार होंगे। शिवसेना आग है और कभी कभी हमें जलते कोयलों पर चलना पड़ता है। इस पर, पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने कहा कि जाधव ने जो भी कहा, उस पर विचार किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे समय पर वरिष्ठ नेताओं को देखना चाहिए कि वह क्या बोल रहे हैं। वह जाधव की तरफ से पार्टी के काम करने के तरीकों पर सवाल उठाए जाने से नाराज दिखे।

अंतरिम जमानत के बाद जेल से रिहा होकर अपने आश्रम पहुंचे आसाराम बापू

जोधपुर । 2013 के बलात्कार मामले में राजस्थान हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद आसाराम को जेल से रिहा कर दिया गया। इसके बाद वे जोधपुर स्थित पाल गांव के अपने आश्रम में पहुंचे, जहां उनके सेवादारों ने आतिशबाजी कर आसाराम का स्वागत किया। जोधपुर के मणाई आश्रम में नाबालिग शिष्या से बलात्कार के मामले में गिरफ्तारी के बाद 2 सितंबर 2013 को आसाराम को जेल में भेजा गया था। 25 अप्रैल 2018 को जोधपुर की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने आसाराम को दोषी करार देकर उम्रकैद की सजा सुनाई थी। 11 साल 4 महीने और 12 दिन की सजा काटने के बाद उन्हें स्वास्थ्य आधार पर अंतरिम जमानत मिली। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम को उनकी उम्र और बिगड़ते स्वास्थ्य का हवाला देकर 31 मार्च तक जमानत दे दी। उनके वकील निशांत बोरदा ने कहा कि जमानत आवेदन में 7 जनवरी के सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व फैसले का हवाला दिया है, इसमें गुजरात के एक अलग मामले में जमानत दी गई थी।

कोर्ट ने जमानत के लिए कुछ शर्तें लगाईं हैं, इसमें आसाराम अपने अनुयायियों से समूह में नहीं मिल सकते, सभाओं को संबोधित नहीं कर सकते या मीडिया से बात नहीं कर सकते, उन्हें अपने साथ तैनात तीन सुरक्षाकर्मियों का खर्च उठाना होगा। इसके अलावा, उन्हें देश भर में किसी भी आश्रम में रहने और आश्रम या अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति शामिल है।

मायावती ने बिना नाम लिए शाह पर किया हमला, बाबा साहेब का अपमान किया, पश्चाताप भी नहीं किया

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती का 69वां जन्म दिन बुधवार को लखनऊ में पार्टी दफ्तर में मनाया गया। इस मौके पर मायावती ने बिना नाम लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों में बाबा साहेब से लेकर सभी दलित चिंतकों की अवहेलना की गई है। बीजेपी भी मामले में पीछे नहीं है। इस पार्टी के बड़े नेता और मंत्री ने संसद में बाबा साहेब का अपमान किया है और इसका पश्चाता भी नहीं किया है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों शीतकालीन सत्र के दौरान बाबा साहेब आंबेडकर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर काफी विवाद हुआ था। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने शाह का भाषण सोशल मीडिया पर शेयर कर माफी मांगने की मांग की थी। मायावती ने कहा कि गरीब दलितों के लिए हमने अपनी सरकार में

जो योजनाएं चाले की, उन्हें कई राज्यों ने लागू किया। पिछले कुछ सालों से दलित वोट बैंक को तोड़ने के लिए सपा, कांग्रेस और बीजेपी के लोग लगे हैं। इन तीनों दलों से हमें सावधान रहना होगा है। आज के समय में अल्पलसंख्याक समुदाय के लोग भी दबा महसूस कर रहे हैं। गरीबी और बेरोजगारी से सब परेशान हैं। बसपा कार्यकर्ताओं से अपील कर मायावती ने कहा कि कांग्रेस, बीजेपी और अन्य जातिवादी पार्टियों से सतर्क हो जाओ। अपने अभियन को बढ़ाओ। हमें दुख इस बात का है कि चुनाव में हमारे लोग ऐसी सरकारों को सत्ता में लाते हैं जो पिछड़ों और दलितों को दबाने का काम करते हैं।

कर्नाटक में फिर शुरु हुई तकरार

नए सीएम का इंतजार: ढाई साल पूरे हुए अब सिद्धारमैया को छोड़ना होगी सीएम की कुर्सी?

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में एक बार फिर सीएम की कुर्सी को लेकर तकरार बढ़ती नजर आ रही है। हालांकि, अब तक पार्टी या किसी नेता ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। इसी बीच खबरें हैं कि राज्य सरकार में मंत्री आरबी टिम्मापुर ने भी सीएम बनने की इच्छा जाहिर कर दी है। खास बात है कि ये घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहे हैं, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया लगभग आधा कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। 2023 में चुनाव जीतने के बाद राज्य में कथित तौर पर ढाई साल बाद सीएम बदलना तय हुआ था।

टिम्मापुर ने कहा, दलित को क्यों मुख्यमंत्री पद नहीं दिया जाना चाहिए? मुझे सीएम क्यों नहीं बनाया जाना चाहिए? खास बात है कि राज्य सरकार में दलित नेता कई अहम पदों पर रहे, लेकिन अब तक कोई भी सीएम नहीं रहा है। कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री पद की रेस में डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार सबसे प्रबल दावेदार हैं। दरअसल, 2023 विधानसभा चुनाव में जीत के बाद कहा जा रहा था कि शिवकुमार सीएम पद के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं।जानकारों का कहना है कि दलित नेता पर सहमति बनाने के लिए एससी एसटी विधायकों की बैठक बुलाई गई थी, लेकिन कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला के दखल के बाद इसे रद्द कर दिया गया। कथित तौर पर शिवकुमार के कहने पर हस्तक्षेप किया गया था। जी परमेश्वरा का कहना है, जैसा कि दिखाया जा रहा कि इसे कैंसिल कर दिया गया है। ऐसा नहीं है, सिर्फ टाला गया है।

उन्होंने कहा, कोई भी बैठक को नहीं रोक सकता है। अगर कोई भी कहता है कि वे दलित मुद्दों पर बात करने के लिए बैठक बर्दाश्त नहीं कर सकते, तो हम उन्हें करारा जवाबदेंगे। हमारे पास क्षमता और ताकत है।

रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के नेताओं का कहना है कि अपना उत्तराधिकारी चुनने के लिए सिद्धारमैया रणनीतिक रुख अपना रहे हैं। एक नेता ने कहा, यह खुला राज है कि वह दलित मुख्यमंत्री के आसपास चर्चाएं बढ़ा रहे हैं, ताकि पार्टी के अंदर विरोध को कम किया जा सके। खासतौर से ऐसे समय पर जब उनका आधा कार्यकाल पूरा रहो रहा है। हालांकि, उनकी इस रणनीति का खासतौर से शिवकुमार कैंप विरोध कर रहा है।

वर्क वीजा पर रूस ले जाकर युवाओं को यूक्रेन के साथ जंग में उतार दिया

-कारपेंटर, रसोइयों को रूस में बनाया सैनिक

वाराणसी (एजेंसी)। रसोइया और कारपेंटर के वीजा पर रूस गए उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ और मऊ के 14 युवकों को वहां की सेना में भर्ती कराकर रूस-यूक्रेन की जंग में उतार दिया। इनमें से अब तक 3 युवकों की मौत हो गई। 2 की पैर में गोली लगने के बाद भारत वापसी हुई। 9 परिवारों को अभी भी अपने बच्चों के घर लौटने का इंतजार है। परिवार वालों ने सरकार से बच्चों को सकुशल वापस लाने की गुहार लगाई है। अब भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने इस मुद्दे को फिर से रूस के सामने सख्ती के साथ उठाया। इसके बाद रूस ने जल्द ही भारतीयों को वापस भेजने का आश्वासन दिया। ऐसे में अब इन 9 परिवारों के अपनों के लौटने की उम्मीद जाग गई है।

मऊ-आजमगढ़ जिले का एजेंट विनोद पूर्वांचल के 14 लोगों को रूस ले गया था। वहां पर 2 लाख रुपए महीने की सैलरी मिलने की बात कही गई। उसने सभी के पासपोर्ट बनवाए। फिर सभी का रूस में कारपेंटर, कुक और सिक्योरिटी गार्ड के काम के लिए वीजा बनवाया। फिर सभी को रूस ले गया। अप्रैल

तक सभी की अपने घर वालों से बात होती रही। उसके बाद नहीं। विनोद की भी आखिरी बार अप्रैल में पिता से बात हुई थी। उसके बाद से उससे संपर्क नहीं हो पा रहा। अब तक आजमगढ़ के कन्हैया यादव और मऊ के श्यामसुंदर और सुनील यादव की रूस-यूक्रेन जंग में मौत हो गई है। आजमगढ़ के राकेश कुमार और मऊ के बृजेश यादव घायल होने के बाद घर लौट आए। वहीं पूर्वांचल से गए विनोद यादव, जोगिंदर यादव, अरविंद यादव, रामचंद्रा, अजहरुद्दीन खान, हुमेश्वर प्रसाद, दीपक, धीरेंद्र कुमार का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। घर वालों को उनके आने का इंतजार है।

कन्हैया यादव की गोली लगने से मौत

आजमगढ़ के बनकटा के रहने वाले कन्हैया यादव (41) की रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के दौरान गोली लगने से मौत हो गई। उसका शव 23 दिसंबर को गांव लाया गया। पिता फौजदार यादव ने बताया- कन्हैया एक एजेंट के जरिए रसोइए का वीजा हासिल कर 16 जनवरी, 2024 को रूस गया था। वहां उसे कुछ दिन रसोइए की ट्रेनिंग दी गई। इसके बाद उसे सेना की ट्रेनिंग देकर रूसी सेना के साथ युद्ध के लिए भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि युद्ध में कन्हैया घायल हो गया और इलाज के दौरान जून में उसकी मौत हो गई। कन्हैया ने 9 मई को युद्ध में घायल होने की सूचना घर पर दी थी। वह 25 मई तक घर वालों के संपर्क में था, लेकिन इसके बाद कुछ पता नहीं। मास्को में भारतीय दूतावास की ओर से 6 दिसंबर को फोन आया था और 17 जून को इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद 23 दिसंबर को शव उसके पैतृक गांव लाया गया। कन्हैया के परिवार में पत्नी गीता यादव, दो बेटे अजय (23) और विजय (19) हैं। अजय यादव का आरोप है कि रूस की सरकार ने 30 लाख रुपए मुआवजे के तौर पर दिया है, लेकिन परिवार को अभी तक यह मुआवजा नहीं मिला।

शरद पवार ने मराठी साहित्यिक समारोह का उद्घाटन करने पीएम को भेजा आमंत्रण

यह सम्मेलन दिल्ली में 21 से 23 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक प्रमुख मराठी साहित्यिक समारोह का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया है। इस कदम को मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के लिए केंद्र के प्रति आभार के रूप में देखा जा रहा है। इस निमंत्रण ने शरद पवार की राजनीतिक रणनीति के बारे में अटकलों को भी जन्म दे दिया है, क्योंकि पिछले साल महाराष्ट्र चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद उनकी पार्टी चुनौतियों का सामना कर रही है।

पीएम मोदी को इस सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। आयोजन समिति के अध्यक्ष खुद शरद पवार हैं। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडल के बैनर तले आयोजित किया जाता है। पीएम मोदी को भेजे निमंत्रण में शरद पवार ने कहा कि यह पहली बार है कि यह सम्मेलन दिल्ली में 21-23 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है और याद दिलाया कि इस कार्यक्रम के 37वें संस्करण का उद्घाटन पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू ने किया था।

शरद पवार ने सम्मेलन के ऐतिहासिक महत्व बताते हुए कहा किह यह 1878 में शुरू हुआ था। तब इसे पहली बार न्यायमूर्ति महादेव गोविंद रानाडे ने पुणे में ग्रंथकार सम्मेलन के रूप में आयोजित किया था। इसमें लोकमान्य तिलक, नामदार गोखले, वी डी सावरकर और काकासाहेब गाडगिल जैसी हस्तियां शामिल हुई थी। पीएम मोदी को लिखे अपने पत्र में उन्होंने हाल ही में मराठी को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिए जाने के मद्देनजर पीएम मोदी के इस कार्यक्रम का उद्घाटन किए जाने की उपयुक्तता पर जोर दिया। पवार ने लिखा कि हाल ही में आपके कार्यकाल के दौरान मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। इस पृष्ठभूमि में, यह उचित होगा कि इस वर्ष मराठी भाषा और संस्कृति के इस प्रभावशाली संगम का उद्घाटन आपके हाथों हो।

एनसीपी(एसपी) सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) ने एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण पेश करते हुए इस बात पर जोर दिया कि शास्त्रीय भाषा का दर्जा सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि पिछले 30-35 सालों में हर राजनीतिक नेता और सीएम ने मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने के लिए काम किया। यह एक बड़ा सम्मान है। यह सामूहिक योगदान के कारण है, न कि किसी एक पार्टी या किसी नेता के कारण।

अवैध घुसपैठ रोकने भारत लगा रहा बाड़, बढ़ रही रार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश के बीच इनदिनों सबकुछ सही नहीं चल रहा है। रविवार को बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया है। बांग्लादेश ने दोनों देशों की सीमा पर बीएसएफ द्वारा लगाए जा रहे बाड़ को लेकर तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की है। इसके बाद दोनों देशों के बीच एक नया विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल आजादी के बाद से भारत लगातार अपने पड़ोसी देशों से सीमा विवाद पर उलझा है। भारत पहले से ही सीमा को लेकर पाकिस्तान और चीन के साथ उलझा हुआ है। अब बांग्लादेश भी टेंशन दे रहा है। इसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश विदेश मंत्रालय द्वारा भारतीय उच्चायुक्त को रविवार को तलब करना।

बांग्लादेश-भारत सीमा पर बाड़ के निर्माण को लेकर दोनों देशों में विवाद पैदा हो गया है। भारत बांग्लादेश से लगातार हो रहे घुसपैठ को रोकने के लिए सीमा पर बाड़ का बना रहा है, लेकिन न केवल सीमा पर बने गांव बल्कि बांग्लादेशी सरकार की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया आई है। बांग्लादेश ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया था। इसके बाद से भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में खटास दिख रही है। रिश्तों की ये खटास शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद से पैदा हुई जो कि आज भी जारी है।

बांग्लादेश में वर्तमान में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मो. यूनुस की अंतरिम देश को चला रही है। यूनुस के सत्ता आने के बाद से बांग्लादेश में भारत विरोधी लहर बनी हुई है। बांग्लादेश लगातार भारत से हसीना को डिपोर्ट करने की मांग कर रहा है। तब उधर भारत के कट्टर दुश्मन पाकिस्तान से प्यार वाली बातें कर रहा हैं। जहां यूनुस सरकार पाकिस्तान से लगातार रिश्तों को बेहतर कर रही है। इसी कड़ी में पाकिस्तान से अलग होने के बाद से बांग्लादेश ने पहली बार वीजा को आसान करने पर जोर दिया है। पाकिस्तान के साथ व्यापार को बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। माना जा रहा है, बांग्लादेश की वर्तमान अंतरिम सरकार कट्टरपंथियों के प्रति प्रेम वाली भावना दिखा रही है।

इधर बांग्लादेश ने भारतीय उच्चायुक्त को तलब कर कहा, भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन कर रहा है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर पांच स्थानों पर बाड़ लगाने की कोशिश कर रहा है। सीमा पर नया विवाद- भारतीय उच्चायुक्त बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीम उद्दीन से मुलाकात करने पहुंचे। करीब 45 मिनट तक बैठक चली। बैठक के बाद भारतीय उच्चायुक्त ने कहा, 'मैंने विदेश सचिव से मुलाकात कर क्राइम मुक्त बॉर्डर सुनिश्चित करने, तस्करी, अपराधियों की आवाजाही और मानव तस्करी की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने की भारत की प्रतिबद्धता पर चर्चा की।

एचडीएफसी एएमसी के शेयरों में आया उछाल, ब्रोकरेज ने कहा जमकर करें खरीदारी

कंपनी का मुनाफा 31 फीसदी से बढ़कर 641 करोड़ रुपए पर पहुंच गया

नई दिल्ली।

एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के शेयरों में बुधवार को उछाल आया। कंपनी ने शेयर शुरुआती कारोबार में 5 फीसदी से ज्यादा चढ़े।

इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 0.59 फीसदी चढ़कर 76,947 पर कारोबार किया। तीसरी तिमाही में अच्छे नतीजों के दम पर कंपनी के शेयरों में यह उछाल देखने को मिला है।

एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार बंद होने के बाद तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी ने बताया कि दिसंबर तिमाही में उसका मुनाफा सालाना आधार पर 31 फीसदी से बढ़कर 641 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। ऑपरेशन से होने वाली कमाई भी सालाना आधार पर 39 फीसदी बढ़कर 671.32 करोड़ रुपए हो गई है।

मजबूत तिमाही नतीजों को देखते हुए ज्यादातर ब्रोकरेज कंपनियों ने इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी अपडेट करते हुए एचडीएफसी एएमसी का टारगेट प्राइस बढ़ा दिया है। साथ ही स्टॉक में खरीदारी करने की सलाह देते हुए 35 फीसदी तक के अपसाइड रिटर्न का अनुमान जताया है।

ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने एचडीएफसी असेट मैनेजमेंट कंपनी पर अपनी रेटिंग को बरकरार रखते हुए खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज ने इसके लिए 5200 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। कंपनी के शेयर मंगलवार को 2 फीसदी चढ़कर 3863 रुपए पर बंद हुए। इस तरह शेयर लॉन्ग टर्म में 35 फीसदी का अपसाइड रिटर्न दे सकते हैं। ब्रोकरेज के मुताबिक ओवरऑल एयूएम में इक्विटी की बढ़ती हिस्सेदारी यील्ड्स में संभावित गिरावट को कम करने में मदद करेगी। नए बिजनेस से बड़े पैमाने पर बेनिफिट्सज्हाई प्रोफिटेबिल्टी में बदल सकता है। ब्रोकरेज ने अपने अनुमानों को कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है और 5200 रुपए के टारगेट प्राइस के साथ स्टॉक पर बाय रेटिंग को बरकरार रखा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतों में उतार-चढ़ाव से घरेलू बाजार में भी बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। इस दौरान डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में 0.03 फीसदी करीब 0.02 डॉलर की बढ़त रही और यह 77.52 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गयीं जबकि ब्रेंट क्रूड की कीमतें 0.06 फीसदी तकरीबन 0.05 डॉलर नीचे आकर 79.87 डॉलर प्रति बैरल रहीं।

इससे घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर प्रभाव पड़ा है। कुछ शहरों में तेल की कीमतें घट गई हैं, वहीं कुछ स्थानों पर बढ़ी हैं। गुरुग्राम में पेट्रोल की कीमतें 21 पैसे कम होकर 95.04 रुपये और डीजल 20 पैसे नीचे आकर 87.90 रुपये प्रति लीटर हो गया। वहीं उड़ीसा के भुवनेश्वर में पेट्रोल की कीमत 28 पैसे घटकर 101.11 रुपये और डीजल 27 पैसे सस्ता होकर 92.69 रुपये प्रति लीटर हो गया है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी पेट्रोल 8 पैसे सस्ता होकर 94.61 रुपये और डीजल 10 पैसे घटकर 87.71 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

दूसरी ओर नोएडा और ग्रेटर नोएडा में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 7 और 6 पैसे बढ़कर 95.05 रुपये और 88.19 रुपये प्रति लीटर हो गई हैं। जयपुर में भी पेट्रोल की कीमत 31 पैसे बढ़कर 104.46 रुपये और डीजल 28 पैसे बढ़कर 90.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

वहीं चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, और चेन्नई में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं आया है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल पहले की तरह ही 87.67 रुपये प्रति लीटर पर जबकि मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपये और डीजल 90.03 रुपये प्रति लीटर की दर से मिल रहे हैं।

थीमैटिक फंड्स ने 2024 में नेट कलेक्शन में 488 फीसदी की वृद्धि की

मुंबई। पिछले साल थीमैटिक फंड्स ने नेट कलेक्शन में 488 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स ने संग्रह में 1,09,711 करोड़ रुपए हासिल किए हैं, जो कि कुल नेट कलेक्शन का 34 फीसदी रहा। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में कुल नेट कलेक्शन में मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी ने कुल मिलाकर 56 फीसदी का योगदान दिया, इसके बाद एफएमसीजी ने 9 फीसदी, बिजनेस साइकिल ने 6 फीसदी और पीएसयू ने 5 फीसदी का योगदान दिया। सेक्टोरल और थीमैटिक स्कीम के तहत बिजनेस साइकिल फंड का नेट कलेक्शन 2023 में 103 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024 में 6,841 करोड़ रुपए रहा था। एनर्जी सेक्टर ने 2023 में 470 करोड़ रुपए की तुलना में 2024 में 23,964 करोड़ रुपए जमा किए। पिछले साल लार्ज कैप के तहत नेट कलेक्शन 2023 में -3,768 करोड़ रुपए की तुलना में 17,404 करोड़ रुपए रहा। 2024 में मल्टी कैप और फ्लेक्सीकैप के तहत नेट कलेक्शन क्रमशः 37,649 करोड़ रुपए और 36,231 करोड़ रुपए रहा। रिपोर्ट के मुताबिक स्मॉल कैप के तहत नेट कलेक्शन 2023 में 45,270 करोड़ रुपए की तुलना में 2024 में घटकर 29,555 करोड़ रुपए रह गया। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5.27 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध इक्विटी प्रवाह (नेट इक्विटी इनफ्लो) दर्ज किया, जिसमें अक्टूबर में 1.07 लाख करोड़ रुपए का उच्च प्रवाह देखा गया। डीआईआई का शुद्ध इक्विटी प्रवाह 2023 की तुलना में करीब 3 गुना हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में एफआईआई के हाई आउटफ्लो के बावजूद, डीआईआई ने महीने के लिए अपने रिकॉर्ड इक्विटी प्रवाह के साथ स्थिति को बैलेंस करने में मदद की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सभी कैटेगरी ने लगातार दूसरे साल दोहरे अंकों में सकारात्मक रिटर्न हासिल किया। फार्मा 40.5 फीसदी रिटर्न के साथ लिस्ट में सबसे ऊपर रहा, जबकि बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विस में सबसे कम 11.5 फीसदी रिटर्न रहा। 2024 में निवेश क्षेत्र में उभरते हुई बाजार की भावना दिखाई दी, जिसमें थीमैटिक इंवेस्टमेंट में वृद्धि, एफआईआई और डीआईआई फ्लो में अंतर और बड़े सेक्टोरल शिफ्ट शामिल थे।

मेडिकल डिवाइस पर जीएसटी एक समान करने पर विचार कर सकती है सरकार

डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने आगामी बजट को लेकर रखी अपनी मांग

नई दिल्ली।

मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने आगामी बजट को लेकर अपनी मांगें सामने रखी हैं। इसमें वस्तु और जीएसटी की दरों को समान करने, एक्सपोर्ट प्रमोशन में वृद्धि और इंपोर्टेड डिवाइस की मिनिमम रिटेल प्राइस पर निगरानी जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं। पॉली मेडिक्योर के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि सरकार सभी मेडिकल डिवाइस पर जीएसटी दर को 12 फीसदी पर एक समान करने पर विचार कर सकती है। इससे टैक्स इंफ्रास्ट्रक्चर सरल होगा और कारोबार में आसानी होगी। इसके अलावा उद्योग ने वाणिज्य मंत्रालय की रेमिशन ऑफ ड्यूटीज् ऐंड टैक्स ऑन एक्सपोर्ट प्रोडक्ट्स योजना के तहत एक्सपोर्ट इंसेंटिव को वर्तमान 0.6-0.9 फीसदी से बढ़ाकर 2-2.5 फीसदी करने की मांग की है। इसका उद्देश्य उन करों और शुल्कों की वापस करना है जो अब तक उत्पादकों को वापस नहीं किए जाते थे। उन्होंने कहा कि यह कदम भारतीय मेडिकल डिवाइस की ग्लोबल कंपटीटिवनेस को बढ़ाएगा और निर्माताओं को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपने उत्पादों का दायरा बढ़ाने में भी मदद करेगा। एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री (एआईएमईडी) ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय को बजट से पहले सौंपे गए अपने ज्ञापन में मांग की है कि आयातित मेडिकल डिवाइस की अधिकतम खुदरा मूल्य पर निगरानी रखी जाए। इसका उद्देश्य यह तय करना है कि भारतीय मरीजों को सस्ती दरों पर इलाज उपलब्ध हो सके। एआईएमईडी ने कहा कि सरकार द्वारा डिवाइस पर आयात शुल्क घटाने के प्रयास उस समय व्यर्थ हो जाते हैं, जब मरीजों को इन डिवाइस के लिए 10 से 30 गुना ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। संगठन ने मेडिकल डिवाइस की कीमतों को नियंत्रित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की है। मेडिकल डिवाइस बनाने वाली कंपनियों के संगठन एआईएमईडी ने भारत में बनने वाले और पर्याप्त उत्पादन क्षमता वाले मेडिकल डिवाइस पर शून्य और कंसेशनल कस्टम ड्यूटी के नोटिफिकेशन को वापस लेने की मांग की है।

एप्पल के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली प्रमुख कंपनी बनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स

कुल आईफोन में से 77 फीसदी का निर्यात किया गया

मुंबई ।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में एप्पल इंक के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली प्रमुख कंपनी बनी है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने एप्पल इंक की जरूरतों को पूरा करने के लिए तीन मोर्चों उत्पादन में व्यापक इजाफा, निर्यात और वर्ष 2024 में प्रत्यक्ष रोजगार बढ़ाने पर जोरशोर से काम किया है। वर्ष 2024 में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने आईफोन असेंबली के लिए बड़े पैमाने पर लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार दिया। 2024 में उसके कर्मचारियों की संख्या 63 फीसदी बढ़कर 31,000 हो गई जो इससे पिछले साल 19,000 थी।

राज्य और केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए तिमाही आंकड़ों के अनुसार प्रत्यक्ष रोजगार सृजन के लिहाज से आईफोन का यह कारखाना देश का दूसरा सबसे बड़ा संयंत्र बन गया है। एप्पल आईफोन ईकोसिस्टम में वर्ष 2024 के दौरान कुल 1,85,000 कर्मचारियों को प्रत्यक्ष रोजगार दिया था जिसमें आईफोन के इस कारखाने की हिस्सेदारी 17 फीसदी रही।

एप्पल ईकोसिस्टम में असेंबल करने वाली कंपनियां और कलपुर्जा बनाने वाली इकाइयां भी शामिल हैं। कर्मचारियों के लिहाज से सबसे बड़ा कारखाना भी आईफोन बनाने वाली एक अन्य कंपनी फॉक्सकॉन की है।

तमिलनाडु के कारखाने में 42,000 कामगार काम करते हैं। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने विस्ट्रॉन से 12.5 करोड़ डॉलर में कर्नाटक स्थित आईफोन के कारखाने का अधिग्रहण किया था।

इसके बाद से टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने कारखाने में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की भर्ती की और आईफोन उत्पादन क्षमता में भी व्यापक इजाफा किया।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवारक को रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 86.38 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 86.58 पर बंद हुआ था। इससे पहले सोमवार को रुपये ने लगभग दो वर्षों में अपनी सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट दर्ज की थी, जिसमें यह 66 पैसे कमजोर हुआ था। दूसरी ओर इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 86.57 पर खुला और फिर मजबूत होकर 86.49 पर पहुंचा। विशेषज्ञों के अनुसार, खुदरा महंगाई में गिरावट और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी से रुपये को समर्थन मिला है। दिसंबर महीने में खुदरा महंगाई चार महीने के निचले स्तर 5.22 फीसदी पर पहुंच गई, जिससे भारतीय रिजर्व बैंक को आगामी मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती का विकल्प मिल सकता है।

अब पीएफ कर्मचारी खुद सेल्फ-अटेस्टेशन के जरिए कर सकेंगे केवाईसी

नहीं होगी एचआर डिपार्टमेंट से अप्रूवल की जरूरत

नई दिल्ली। एंप्लॉयी प्रॉविडेंट फंड (ईपीएफ) के सब्सक्राइबर्स के लिए अहम बदलाव होने वाले हैं। अब कर्मचारियों को पीएफ केवाईसी कराने के लिए एचआर डिपार्टमेंट से अप्रूवल की जरूरत नहीं होगी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने घोषणा की है कि जून 2025 से वह कर्मचारी खुद से सेल्फ-अटेस्टेशन के जरिए केवाईसी कर सकेंगे, जिससे कंपनी के चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे। इस बदलाव से पीएफ से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान बनाया जाएगा, खासकर तब जब कंपनियां बंद हो जाती हैं और केवाईसी की वजह से पीएफ क्लेम अटक जाते हैं। यह कदम ईपीएफओ 3.0 का हिस्सा होगा, जो इस साल लॉन्च किया जाएगा। इस नई योजना में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा और रोजगार आधारित योजनाओं को भी शामिल किया जाएगा, जिससे ईपीएफओ का कामकाज और भी आसान होगा। ईपीएफओ 3.0 के लॉन्च से अनुमान लगाया है कि पीएफ सब्सक्राइबर्स की संख्या में बढ़ोतरी होगी, जो वर्तमान में करीब आठ करोड़ है और यह 10 करोड़ तक पहुंच सकती है। इसके अलावा फंड निकालने की प्रक्रिया भी सरल हो जाएगी। ईपीएफओ के नए नियमों के तहत बैंकों के साथ मिलकर सब्सक्राइबर्स को एक तय सीमा तक बिना किसी आवेदन के सीधे अपने खाते से फंड निकालने की सुविधा दी जा सकती है, जिससे पीएफ के सब्सक्राइबर्स को अपनी मेहनत की कमाई निकालने में आसानी होगी।

निवेशकों को शानदार ऑफर, एसबीआई समेत कई बैंकों ने एफडी पर बढ़ाया ब्याज

नई दिल्ली।

निवेश पर गारंटीड रिटर्न और हाई लिक्विडिटी के साथ फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) भारत में सबसे पसंदीदा निवेश वाले विकल्प हैं। एसबीआई और एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े बैंकों के साथ छोटे बैंकों ने भी हाल के दिनों में एफडी पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। एसबीआई ने एक नई कैटेगरी सुपर सीनियर सिटीजन (80 साल से ज्यादा) जोड़ी है। बैंक इस वर्ग के जमाकर्ताओं को अतिरिक्त 10 बेसिस प्वाइंट्स की ब्याज दर ऑफर कर रहा है। इसके जैसी स्कीम आईडीबीआई बैंक द्वारा भी दी जा रही है। आईडीबीआई बैंक ने आईडीबीआई चिरंजीवी-सुपर सीनियर सिटीजन एफडी लॉन्च की है, जो 80 साल और उससे ज्यादा आयु के लोगों के लिए एक स्पेशल एफडी है। इस स्कीम में स्टैंडर्ड एफडी दरों से 0.65 फीसदी ज्यादा ब्याज प्रदान किया जा रहा है। इस स्कीम के तहत 555 दिनों की अवधि की एफडी के लिए 8.05 फीसदी, 375 दिनों के लिए 7.9 फीसदी, 444 दिनों के लिए 8 फीसदी और 700 दिनों के लिए 7.85 फीसदी का ब्याज दिया जा रहा है। वहीं एसबीआई निवेशकों को आकर्षित करने के लिए लगातार कदम उठा रहा हैं। इसके तहत देश के सबसे बड़े बैंक ने हर घर लखपति आरडी स्कीम शुरू की है। इस स्कीम का मकसद 3 से लेकर 10 साल की मंथली जमा कर एक लाख या उससे ज्यादा का फंड एकत्रित करना है। इस स्कीम में 10 साल या उससे ज्यादा कोई भी शख्स खाता खोल सकता है। इस योजना में 60 साल से कम की आयु के लोगों को 3 और 4 साल की अवधि के लिए 6.75 फीसदी और 5 से 10 साल की अवधि के लिए 6.50 फीसदी की ब्याज दर दी जा रही है। वहीं, 60 साल से ज्यादा की आयु के लोगों को 3 और 4 साल के लिए 7.25 फीसदी और 5 से 10 साल के लिए 7 फीसदी की ब्याज दर ऑफर की जा रही है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 224.45 अंक करीब 0.29 फीसदी बढ़कर 76,724.08 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 37.15 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी ऊपर आकर 23,213.20 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक उछाल रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 222.50 अंक करीब 0.41 फीसदी की तेजी के साथ 53,899 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 96.15 अंक या 0.56 फीसदी की बढ़त के साथ ही 17,353.95 पर बंद हुआ।

कारोबारी सत्र में उछाला वाले शेयरों की तादाद अधिक रही। बीएसई पर 2,144 शेयर ऊपर आये जबकि 1,808 शेयरों में गिरावट रही। 112 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। आईटी, पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा, कमोडिटी, पीएसई, सर्विसेज और ऑयल एंव गैस इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान में जबकि ऑटो, फिन सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी और मीडिया नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए।

सेंसेक्स पैक में जोमैटो, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी पोर्ट्स, एसबीआई, एचसीएल टेक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वहीं एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, नेस्ले, सन फार्मा और एशियन पेंट्स सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 14 जनवरी को 8,132.26 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 7,901.06 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बाजार जानकारों के अनुसार एफआईआई का आउटफ्लो बढ़ने, डॉलर की मजबूती और यूएस बॉन्ड यील्ड के बढ़ने के कारण भी घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव रहा। अमेरिका में महंगाई के डेटा से पहले निवेशकों ने सतर्कता बरती।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 400 अंक ऊपर आकर 76,900 पर खुला। वहीं निफ्टी हल्की तेजी के साथ 75 अंक बढ़त लेकर 23,273.55 पर खुला।

देसी कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली को लेकर बाजार में अभी भी आशंकाएं लगी हुई हैं। साथ ही आईटी स्टॉक्स में गिरावट से भी बाजार की तेजी पर अंकुश रहा है। वहीं गत दिवस सेंसेक्स और निफ्टी हल्की बढ़त पर बंद हुआ था।

अब घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर देसी कंपनियों के दिसंबर तिमाही के परिणामों पर रहेगी। सीएट, एचडीएफसी लाइफ, एल्टीटीएस और बैंक ऑफ महाराष्ट्र समेत 24 कंपनियां के तिमाही परिणामों को घोषित करेगी। भारतीय कंपनियों के लिए मार्जिन विस्तार की संभावनाएं अब सीमित हैं। ऐसे में, कमाई बढ़ाने के लिए राजस्व में वृद्धि जरूरी होगी।

वहीं एशियाई बाजारों में बुधवार को आज मिश्रित रुख रहा। जापान में निक्केई 225 पर रहा, जो 0.75 फीसदी बढ़ा, जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में 0.86 फीसदी की बढ़त रही।

सेबी ने डीमैट खाते को लेकर कौन सा नया प्रस्ताव पेश किया, निवेशकों को होगा फायदा

मुंबई । शेयर बाजार नियामक संस्था सेबी (सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) समय-समय पर निवेशकों के हित में नए नियम बनाती है। इसी कड़ी में सेबी ने डीमैट खाते में होल्डिंग्स को बढ़ावा देने के लिए एक नया प्रस्ताव पेश किया है। इसके तहत लिस्टेड कंपनियां को स्टॉक स्प्लिट, मर्जर या डीमर्जर के स्थिति में नई सिक्योरिटी सिर्फ डी मैट खाते में जारी करना अनिवार्य किया जाए। सेबी के प्रस्ताव के अनुसार, अगर निवेशक के पास डीमैट खाता नहीं है, तब सिक्योरिटी इश्यू करने वाली कंपनी इसतरह के शेयर को एक अलग डीमैट खाते में रखे और इन स्टॉक्स के मालिकाना हक की पूरी जानकारी रखे। हालांकि, यह सिर्फ प्रस्ताव है और इस पर सेबी ने 4 फरवरी तक टिप्पणियां मांगी गई हैं। सेबी के प्रस्ताव से निवेशकों को बड़ा फायदा होगा। क्योंकि, सिक्योरिटीज को डीमैट फॉर्म में रखने से धोखाधड़ी, पेपर सर्टिफिकेट के खोने या नष्ट होने सहित कई गड़बड़ियों की आशंका खत्म होगी। इसके साथ ही शेयर ट्रांसफर की प्रक्रिया की तेज और पारदर्शी होगी। इन फायदों के चलते सेबी चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा सिक्योरिटीज डीमैट फॉर्म में रखी जाएं। हालांकि, ज्यादातर निवेशक अपने शेयरों को डीमैट खाते में रख रहे हैं, हालांकि कुछ निवेशक हैं जो पेपर सर्टिफिकेट के रूप में इन सिक्योरटीज को अपने पास रखते हैं।

हल्दीराम को खरीदने की दौड़ में शामिल हुई अमेरिकी कंपनी पेप्सिको

सीधे प्रमोटर अग्रवाल फैमिली से चर्चा कर रहे

मुंबई ।

स्नैक्स और मिठाइयां बनाने वाली दिग्गज कंपनी हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने को होड़ दिलचस्प होती जा रही है। अमेरिकी दिग्गज कंपनी पेप्सिको भी हल्दीराम को खरीदने की दौड़ में शामिल हो गई है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी के अधिकारी हल्दीराम स्नैक्स फूड में हिस्सेदारी खरीदने के लिए सीधे प्रमोटर अग्रवाल फैमिली से चर्चा कर रहे हैं। पेप्सिको के अलावा सिंगापुर की कंपनी टेमासेक और अल्फा वेव ग्लोबल भी हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने की होड़ में शामिल हैं। इन दोनों कंपनियों ने हल्दीराम में 10-15 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए ऑफर दिया है।

सूत्रों के मुताबिक न्यूयॉर्क में पेप्सिको हेडक्वार्टर के अधिकारियों ने हाल के दिनों हल्दीराम में माइनोरिटी स्टेक खरीदने के लिए अग्रवाल परिवार के सदस्यों के साथ सीधे बात की है। हालांकि बातचीत अभी शुरुआती स्तर पर है और संभव है कि यह अंजाम तक न पहुंचे। माना जा रहा है कि अगर यह डील आगे बढ़ती है, तब इसमें फंडिंग भी अमेरिका की मूल कंपनी करेगी। पेप्सिको की भारतीय यूनिट की इसमें ज्यादा भूमिका नहीं है। अग्रवाल फैमिली 85,000-90,000 करोड़ रुपये की वैल्यूएशन की उम्मीद कर रही है।

लेज चिप्स, कुरकुरे नमकीन स्नैक्स और डोरिटोस नाचो चिप्स बनाने वाली कंपनी पेप्सिको को भारतीय स्नैक्स बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय कंपनियों और डायरेक्ट टू कंज्यूमर कंपनियों की संख्या में काफी तेजी आई है। इसमें हल्दीराम, बीकानेरवाला, बालाजी और लिस्टेड कंपनियों बीकाजी फूड्स, गोपाल स्नैक्स और प्रताप स्नैक्स शामिल हैं। साथ ही एथनिक स्नैक्स कंपनियों की भी बाजार में भरमार है। इनमें से ज्यादातर की कीमत जाने-माने ब्रांड्स के कम है। वे डायरेक्ट डिस्ट्रीब्यूशन करते हैं और रिटेलर्स को ज्यादा लाभ देते हैं।

पेप्सिको की वेस्टर्न स्नैक्स मार्केट चिप्स और नाचोस में लगभग 24 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। लेकिन नमकीन, भुजिया और चना चूर जैसे लोकल स्नैक्स में कंपनी अभी भी बहुत पीछे है। यह वजह है कि कंपनी हल्दीराम को अपने साथ लाना चाहती है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के आंकड़ों के अनुसार, पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स ने अप्रैल से दिसंबर 2023 की नौ महीने की अवधि के लिए 5,954.16 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू हासिल किया। इसी अवधि में पेप्सिको के स्नैक्स बिजनस का रेवेन्यू 4,763.29 करोड़ रुपये रहा। हल्दीराम स्नैक फूड्स ने वित्त वर्ष 2024 में 12,800 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया, जो पेप्सिको से करीब दोगुना है। यह 500 प्रकार के स्नैक्स, नमकीन, मिठाइयां, रेडी टू ईट और प्री-मिक्स्ड फूड बनाती और डिस्ट्रीब्यूट करती है।

2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने 10 सालों में 11वें सबसे बड़े जीडीपी वाले देश से पांचवें स्थान पर छलांग लगाई है। उन्होंने पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के 2014 के अनुमान का जिक्र करते हुए कहा कि जहां उन्होंने भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में 30 साल का समय बताया था, वहीं पीएम मोदी ने इसे 13 सालों में हासिल करने का संकल्प लिया और यह लक्ष्य 2027 तक पूरा हो जाएगा। गोयल ने कहा कि पीएम मोदी को 19 देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है, जिनमें 8 मुस्लिम बहुल, 10 ईसाई बहुल और 1 बौद्ध बहुल देश शामिल हैं। यह सम्मान वैश्विक स्तर पर उनकी लोकप्रियता और समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी तुष्टिकरण की राजनीति से परे हैं और 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति में यकीन रखते हैं।

भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को हराकर मचाई तबाही, वनडे में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत दर्ज की

राजकोट (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बुधवार को राजकोट में इतिहास रच दिया है। टीम ने आयरलैंड को तीसरे और आखिरी वनडे में 304 रनों से करारी शिकस्त दी। महिला वनडे में भारत की रनों के लिहाज से ये सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2017 में टीम इंडिया ने आयरलैंडो को 249 रनों से हराकर वनडे की सबसे बड़ी जीत हासिल की थी। वहीं टीम के लिए कप्तान स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल के पहले सैकड़े की मदद से आयरलैंड के खिलाफ तीसरे मैच में पांच विकेट पर 435 रन बनाए। जो कि वनडे क्रिकेट में भारत का अब तक सर्वोच्च स्कोर है। वहीं इसके जवाब में आयरलैंड टीम 110 गेंद शेष रहते हुए ऑलआउट हो गई।

भारत के 435 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 24 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए। कप्तान गैबी लुईस को तितास साधु ने पगबाधा आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। क्रिस्टिना कुल्टर रीली को सायली सातघरे ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद सारा फोर्ब्स और ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने पारी को संभालने का प्रयास किया।

दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़े। 15वें अवर में तनुजा कंवर ने ऑर्ला प्रेंडरगस्ट को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। सारा फोर्ब्स रन आउट हुई। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने लॉरा डेलेनी, ली पॉल को आउट किया। आर्लीन केली, जॉर्जिना डेम्पसी रनआउट हुई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने 27 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए। तनुजा कंवर को दो विकेट मिले। तितास साधु, सायली सातघरे और मिन्नू मनी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले कप्तान स्मृति ने सिर्फ 70 गेंद पर 135 रन बनाए, जो उनका 10वां वनडे शतक है। इस तरह भारतीय महिला टीम पहली बार 400 रन के आंकड़े को पार करने में सफर रही। इससे भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ एलीट सूची में शामिल होने में कामयाब रही। ये महिला वनडे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में चौथा सर्वोच्च स्कोर भी है।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अगर मुक्केबाजी शामिल होती है तो मैं हिस्सा लूंगा: मुक्केबाज निशांत देव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेशेवर सर्किट में प्रतिस्पर्धा करने के अपने बचपन के सपने को पूरा करने के लिए तैयार भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने कहा कि इस कदम का मतलब यह नहीं है कि ओलंपिक पदक के लिए उनकी कोशिश खत्म हो जाएगी इसलिये अगर यह खेल 2028 लॉस एंजिलिस में बना रहता है तो वह इसमें शिरकत करेंगे।

निशांत ने पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में मिली करीबी हार और ओलंपिक में मुक्केबाजी के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के कारण पेशेवर बनने का फैसला किया। हालांकि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। 2023 विश्व चैंपियनशिप में लाइट मिडिलवेट (71 किग्रा) में कांस्य पदक जीतने वाले इस मुक्केबाज ने एडी हर्न की 'मैचरूम बॉक्सिंग' से करार किया है।

उनकी पहली पेशेवर बाउट 25 जनवरी को लॉस एंजिलिस में होगी। देव लॉस एंजिलिस में पेशेवर मुक्केबाज रोनाल्ड सिम्स की देखरेख में अपना मुक्केबाजी कौशल निखार रहे हैं। उन्होंने लॉस एंजिलिस से कहा, 'मैं ओलंपिक में खेलने का अपना सपना पूरा करना चाहता था जो मैं कर चुका हूं। लेकिन अब मैं पेशेवर मुक्केबाजी में खेलने के अपने दूसरे सपने को पूरा करना चाहता हूं।'

देव को अब भी पेरिस ओलंपिक में मिली करीबी हार सालती है जिसमें वह मेक्सिको के मार्को वर्डे से विवादास्पद क्वार्टरफाइनल हार गये थे। उन्होंने कहा, 'मैं टूट गया था। इतने बड़े मंच पर इस तरह का झटका चुनौतीपूर्ण था।' ओलंपिक में मुक्केबाजी के भविष्य की अनिश्चितता इस निराशा को और भी बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, 'अभी तक मुक्केबाजी की ओलंपिक के लिए पुष्टि नहीं की गई है। मैं यह जानने के लिए तीन साल तक इंतजार नहीं करना चाहता कि यह ओलंपिक में शामिल नहीं है। इसलिए इस समय का उपयोग मेरे पेशेवर मुक्केबाजी के सपने को पूरा करने में किया जा सकता है।'

उन्होंने कहा, 'मैं अभी 24 साल का हूं और मुझे कहा गया है कि मैं इसके लिए बड़ा हूं। अगर मैंने विजेंदर सिंह या विकास कृष्ण की तरह देर से शुरुआत की होती तो मुझे इसका पछतावा होता क्योंकि इनके पेशेवर करियर का अंत इतना अच्छा नहीं रहा।' देव ने कहा, 'मैं बड़े सपने देखता हूं। मैं भारत का पहला पेशेवर विश्व चैंपियन बनना चाहता हूं और सभी मुख्य बेल्ट जीतना चाहता हूं।'

चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद गंभीर के भविष्य पर फैसला करेगी बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अगले माह होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को लेकर कोई फैसला कर सकती है। गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से ही टीम का प्रदर्शन अच्छा नही रहा है। इसके साथ ही उनके टीम के अनुभवी खिलाड़ियों से मतभेद की भी खबरें हैं। माना जा रहा है गंभीर से कई खिलाड़ी खुश नहीं हैं जिससे ड्रेसिंग का माहौल भी तनावपूर्ण बना हुआ है। पिछले साल जुलाई में गंभीर के पद संभालने के बाद से ही भारतीय टीम दस में से छह टेस्ट हारी है। उसे घरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। इसके अलावा टीम का प्रदर्शन बॉर्डर गावस्कर सीरीज में भी खराब रहा और टीम 3-1 से हार गयी। सीमित ओवरों की बात करें तो उसे श्रीलंका में एक द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। ये भी चर्चाएं हैं कि उनकी टीम के कप्तान रोहित शर्मा से नहीं बन रही।

वहीं बीसीसीआई से जुड़ी एक रिपोर्ट क अनुसार अगर भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती तो गंभीर की स्थिति और भी कमजोर हो सकती है। उनका कोचिंग अनुबंध 2027 विश्व कप तक है पर उसकी समीक्षा जारी रहेगी। खेल में परिणाम सबसे महत्वपूर्ण होते हैं और अगर वह नहीं मिलते तो गंभीर पर दबाव बढ़ता जाएगा, ऐस में अभी जो उन्हें टीम चयन में अधिकार मिले हैं वह कम हो जाएंगे। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया में टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की है। इसके अलावा टीम 'कल्चर के मामले पर भी गंभीर और सीनियर खिलाड़ियों में मतभेद हैं। गंभीर सुपरस्टार कल्चर खत्म करना चाहते हैं जो इतने साल से चला आ रहा है। उनका कहना है कि सभी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। इससे कुछ खिलाड़ी नाराज है। दूसरी ओर सीनियर खिलाड़ियों का मानना है कि कोच की ओर से संवाद की कमी है। इन सबके बीच राष्ट्रीय चयन समिति का भी नजरिया है जो नहीं चाहती कि चयन मामलों में कोच ज्यादा हस्तपेक्ष करें। बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी इस बात से भी नाराज है कि गंभीर का निजी सहायक ऑस्ट्रेलिया में हर जगह टीम के साथ रहा। उन्होंने कहा, 'उसका पीए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की कार में क्या कर रहा था।

अश्विन ने कहा , क्रिएटिविटी खोने के कारण लिया संन्यास

चेन्नई (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में ही अचानक संन्यास लेकर सभी को हैरान कर दिया था। अब अश्विन ने इसको लेकर अब अपनी बात रखी है। अश्विन के इस फैसले के लिए ड्रेसिंग रूम में तनाव और टीम प्रबंधन के साथ मतभेद को जिम्मेदार माना जा रहा था। वहीं अब अश्विन ने कहा कि यह एक सहज निर्णय था क्योंकि उन्होंने अपनी क्रिएटिविटी खो दी थी।

अश्विन ने कहा, ÷मैंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला टेस्ट नहीं खेला। वहीं दूसरा खेला, तीसरा नहीं खेला। ऐसे में हो सकता था कि मुझे अगला मुकाबला खेलने का अवसर मिले या नहीं। वहीं इस दौरान मैं अपनी क्रिएटिविटी तलाशने का प्रयास रहा था। उस समय, मुझे लगा कि मेरी क्रिएटिविटी खत्म हो गई है, तो वह खत्म हो गई, बस सही है, इसी कारण मैंने अलविदा कहने का फैसला किया।÷ अश्विन ने कहा कि वह विदाई टेस्ट जैसा कुछ नहीं चाहते थे। साथ ही कहा कि वह अभी भी खेल सकत थे क्योंकि उनके अंदर क्रिकेट बचा था पर उन्हें इस बात की खुशी है कि उन्होंने इस तब छोड़ा जब लोग उनके फैसले पर सवाल उठा रहे थे ना कि उन्हें संन्यास लेने के लिए कह रहे थे। अश्विन ने साथ ही कहा, ÷इससे क्या प्रभाव पड़ता अगर मैं गेंद के साथ बाहर आता और लोग तालियां बजाते? लोग कितने समय तक इसके बारे में बात करेंगे? जब सोशल मीडिया नहीं था, लोग इसके बारे में बात करते थे और एक हफ्ते बाद भूल जाते थे. विदाई की कोई जरूरत नहीं है। खेल ने हमें बहुत कुछ दिया है और हमने बहुत खुशी के साथ खेला है. 'मैं और क्रिकेट खेलना चाहता हूं पर भारतीय ड्रेसिंग रूम में जगह नहीं थी। मैं खेल के प्रति ईमानदार रहना चाहता हूं। मैं विदाई टेस्ट खेलना चाहता हूं पर में टीम में जगह के योग्य नहीं हूं तो क्या फायदा। मैं केवल विदाई टेस्ट के कारण टीम में नहीं रहना चाहता।

डीडीसीए सचिव ने कहा विराट दिल्ली से रणजी ट्रॉफी में खेलें

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने पिछले एक दशक से घरेलू क्रिकेट नहीं खेला है। वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा है। इसी को देखते हुए दिल्ली जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के सचिव अशोक शर्मा ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलने की सलाह दी है। डीडीसीए सचिव ने कहा कि हमने विराट का नाम संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया है। साथ ही कहा कि पिछली बार जब उन्होंने दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच खेला था तब गौतम गंभीर और वीरेंद्र सहवाग जैसे खिलाड़ी भी खेलते थे। वहीं टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा भी मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम के साथ खेलने तैयार हैं। अशोक ने कोहली से आग्रह किया कि वे मुंबई के खिलाड़ियों की तरह ही खेलने का फैसला लें। कोहली के अलावा ऋषभ पंत को भी रणजी ट्रॉफी के अंतिम दो राउंड के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल किया गया है।

शिवम को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए शामिल नहीं करने पर भड़के आकाश चोपड़ा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में ऑलराउंडर शिवम दुबे को जगह नहीं मिलने पर हैरानी जतायी है। आकाश ने कहा कि शिवम पिछले साल आईसीसी टी20 विश्व कप विजेता टीम में शामिल थे पर इसके बाद भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। उनकी जगह टीम प्रबंधन ने ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में जगह दी है। नीतीश ने हाल में अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे में शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। चोपड़ा ने कहा, शिवम के अलावा रुतुराज गायकवाड़ और रजत पाटीदार को भी टीम में जगह नहीं मिली। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी में गायकवाड़ और पाटीदार के लिए जगह नहीं बन रही थी पर शिवम को ऑलराउंडर के रूप में जगह मिलनी ही चाहिये थी। शिवम ने आईसीसी टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जबरदस्त खेल दिखाया था। फाइनल में शिवम ने 16 गेंद में 27 रन बनाये थे। चोपड़ा ने कहा, जब आप जीतते हैं तो हर किसी को श्रेय मिलना चाहिए। उन्होंने फाइनल में भी अच्छा खेला। इससे पहले निश्चित रूप से वह अच्छी फील्डिंग या बल्लेबाजी नहीं कर रहे थे। आकाश ने कहा, जब किसी खिलाड़ी को आईसीसी टी20 विश्व कप जैसे टूर्नामेंट में चुना जाता है तो उसके बाद ऐसे खिलाड़ी को कम से एक या दो साल तो लगातार मौका मिलना चाहिए। टी20 विश्व कप के बाद उन्हें जिम्बाब्वे और श्रीलंका दौरे पर जगह मिली थी पर दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर कर दिया गया था।

रोहित चैम्पियंस ट्रॉफी के उद्घाटन समारोह में शामिल होने पाक जाएंगे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा चैम्पियंस ट्रॉफी के उद्घाटन समारोह में शामिल होने पाकिस्तान जा सकते हैं हालांकि भारतीय टीम पाक का दौरा नहीं करेगी और अपने मैच दुबई में खेलेगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चैंपियंस ट्रॉफी का भव्य उद्घाटन समारोह 16 या 17 फरवरी को आयोजित कर सकती है। इस समारोह में सभी टीमों के कप्तान भाग लेंगे। इस दौरान सभी कप्तान एकसाथ तस्वीर भी खिंचाएंगे। ये आईसीसी की टूर्नामेंट की परंपरा का हिस्सा है। पीसीबी ने 29 साल के बाद पाकिस्तान में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजन की वापसी के लिए भव्य समारोह की योजना बनाई है। 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी मेजबान के रूप में पाकिस्तान का पहला प्रमुख ICC टूर्नामेंट होगा। इससे पहले पाकिस्तान ने भारत और श्रीलंका के साथ 1996 एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप की सह-मेजबानी की थी। चैम्पियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट हाइब्रिड प्रारूप में खेला जाएगा। इसमें पाक अधिकतर मैचों की मेजबानी करेगा, केवल भारत के सभी ग्रुप मैच और पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा। अगर भारतीय टीम फाइनल के लिए क्वालीफाई करती है तो इसे भी दुबई में स्थानांतरित कर दिया जाएगा; अन्यथा, लाहौर में मुकाबले खेले जाएंगे। आठ टीमों के इस आयोजन में मेजबान पाकिस्तान के साथ अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल होंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होने वाले मैच से होगी।

नोवाक जोकोविच ने बनाया सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम मैच खेलने का नया रिकॉर्ड

मेलबर्न (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच ने बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर के मैच में कोर्ट पर उतरते ही ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड बनाया जबकि नाओमी ओसाका पिछले तीन साल में पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंची। जोकोविच चारों ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में 430 मैच खेल चुके हैं जो नया रिकॉर्ड है।

उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में रोजर फेडरर (429) की बराबरी की थी। जोकोविच ने दूसरे दौर में पुर्तगाल के क्वालीफायर जेमी फरिया को 6-1, 6-7 (4), 6-3, 6-2 से हराया। जोकोविच अब ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में 379 मैच जीत चुके हैं जबकि 51 मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट हमारे खेल के मजबूत स्तंभ हैं। इस खेल के इतिहास में वह बहुत मायने रखते हैं। मैं भाग्यशाली हूं कि आज एक और रिकॉर्ड बनाने में सफल रहा।'

पुरुष वर्ग में ही तीसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए योशिहितो निशिओका पर 6-0, 6-1, 6-4 से जीत हासिल की। महिला एकल में दो बार की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन ओसाका 2022 के बाद पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचीं। उन्होंने अमेरिकी ओपन की सेमीफाइनलिस्ट करोलिना मुचोवा के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके 1-6, 6-1, 6-3 से जीत हासिल की। ओसाका ने इस तरह से पिछले साल अमेरिकी ओपन में मुचोवा से मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया।

इस बीच विश्व रैंकिंग में 97वें नंबर की खिलाड़ी लौरा सीगमंड ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए ओलंपिक चैंपियन और पिछले साल की उप विजेता झेंग किनवेन को सीधे सेटों में पराजित करके बड़ा उलटफेर किया। झेंग पिछले साल फाइनल में आर्यना सबालेंका से हार गई थी लेकिन इसके बाद उन्होंने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था तथा वह सत्र के अंतिम टूर्नामेंट डब्ल्यूटीए फाइनल्स में उपविजेता रही थी। लेकिन साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के दूसरे दौर में उन्हें 36 वर्षीय सीगमंड से 7-6 (3), 6-3 से हार का सामना करना पड़ा।

इस दौरान चेयर अंपायर ने समय बर्बाद करने को लेकर झेंग को चेतावनी भी दी। झेंग ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि आज मेरा दिन नहीं था। मैं महत्वपूर्ण मौकों पर अंक हासिल करने में नाकाम रही। टाइम कंट्रोल को लेकर चेतावनी मिलने से भी मेरी एकाग्रता भंग हुई।'

पिछले दो बार की चैंपियन सबालेंका ने आखिरी पांच गेम जीतकर विश्व में 54वें नंबर की खिलाड़ी जेसिका बौजास मनेइरो को 6-3, 7-5 से हराकर लगातार तीसरा खिताब जीतने की तरफ कदम बढ़ाए। वह इस टूर्नामेंट में लगातार 16 मैच जीत चुकी हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला भी तीसरे दौर में पहुंच गई हैं। उन्होंने एलिस मर्टेंस पर 6-4, 6-2 से जीत दर्ज की। एक अन्य मैच में 14वीं वरीयता प्राप्त 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा ने मोयुका उचिजिमा को 6-4, 3-6, 7-6(8) से हराया।

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अकरम ने किया 'सफेद जैकेट का अनावरण, विजेताओं को सम्मान के तौर पर दी जाएगी

दुबई । अगले माह पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में विजेता टीम के खिलाड़ियों को सम्मान के तौर पर एक सफेद जैकेट दी जाएगी। इस सफेद जैकेट का अनावरण पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने किया है। एकदिवसीय प्रारूप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है पर इसमें भारतीय टीम के मुकाबले यूएई में होंगे। आईसीसी ने अकरम की मौजूदगी के साथ एक प्रोमो वीडियो जारी किया जिसमें इस 'सफेद जैकेट को तैयार होते दिखाया जा रहा है। इस वीडियो में अकरम दुनिया भर के प्रशंसकों से 'चैम्पियंस की यात्रा में शामिल होने के लिए कहते हैं। टूर्नामेंट में शीर्ष आठ टीमों के बीच 19 फरवरी से नौ मार्च के बीच कुल 15 मैच खेले जायेंगे। इस दौरान टीमें चैम्पियंस ट्रॉफी के खिताब के साथ ही इस प्रतिष्ठित सफेद जैकेट के लिए भी टीमों के बीच मुकाबले होंगे। इस वीडियो में इस जैकेट को प्रतिभा की निरंतर खोज और पीढ़ियों को प्रेरित करने वाली विरासत बताया गया है। वीडियो में अकरम ने कहा कि इस सफेद जैकेट को हासिल करना जीत के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाने की यात्रा का प्रतीक है। उन्होंने यहां कहा कि आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी सर्वश्रेष्ठ में से भी सर्वश्रेष्ठ का प्रतिनिधित्व करती है। इस सफेद जैकेट का अनावरण महानता का प्रतीक है। यह अब जैकेट वैश्विक क्रिकेट समुदाय में इस आयोजन के प्रति उत्साह बढ़ाएगा। इस ट्रॉफी को सबसे मजबूत टीम जीतेगी।

लॉस एंजीलिस ओलंपिक तक खेलना चाहती है सविता पूनिया

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया ने कहा है कि अभी वह खेलना जारी रखेंगी। करीब 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी 34 वर्ष की सविता ने कहा कि अभी उनका संन्यास लेने का इरादा नहीं है और वह लॉस एंजीलिस ओलंपिक 2028 खेलना चाहती है। अबर वह फिट रहीं तो खेल का आनंद लेती रहेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं अगला ओलंपिक खेलना चाहती हूं। मेरे माता पिता ने हमेशा मेरे फैसलों का समर्थन किया और अब शादी के बाद सास ससुर और पति भी मेरा पूरा साथ दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अभी उनक ध्यान 2026 विश्व कप और एशियाई खेलों पर है। दोनों परिवारों ने मुझसे कहा है कि अगर मैं ओलंपिक खेलना चाहती हूं तो वे मेरे साथ है। । वहीं सविता ने कहा कि महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के शुरु होने का सबसे बड़ा लाभ ये रहेगा कि जूनियर खिलाड़ियों को आर्थिक लाभ होगा जिससे अधिक से अधिक प्रतिभाएं सामने आयेंगी। महिला एचआईएल का पहला सत्र 26 जनवरी तक खेला जाएगा। सविता ने कहा, 'हर खिलाड़ी आर्थिक स्थिरता चाहता है जिससे वह परिवार की सहायता कर सके। हम लंबे समय से राष्ट्रीय टीम में हैं और जब भी हम पदक जीतते हैं तो सरकार हमें पुरस्कार देती है। उन्होंने कहा, 'लेकिन जब एक जूनियर खिलाड़ी को इतना पैसा मिलता है तो उसे किसी तरह का वित्तीय तनाव नहीं रहता। वह अपने खेल पर ध्यान दे सकती है। इससे अभिभावक भी अब निश्चिंत हो जाते हैं कि हॉकी में भविष्य है और बच्चे इसमें करियर बना सकते हैं।

अपने करियर में एक बार भी शून्य पर आउट नहीं हुए कैप्लर वेसल्स

मुम्बई । विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक बल्लेबाज हुए हैं। जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सर डॉन ब्रैडमेन, भारत के सचिन तेंदुलकर , वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा , पाकिस्तान के जहीर अब्बास सहित कई अन्य दिग्गज भी हैं पर इनमें से कोई भी ऐसा नहीं है जो पहले करियर में शून्य पर आउट न हुआ हो। विश्व क्रिकेट में केवल दक्षिण अफ्रीका के कैप्लर वेसल्स ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो कभी भी अपने करियर में शून्य पर आउट नहीं हुए जबकि उन्होंने दो देशों से खेला। कैप्लर वेसल्स ने 11 साल के अपने करियर में 109 मैच खेले पर कभी भी शून्य पर आउट नहीं हुए। वेसल्स ने दक्षिण अफ्रीका पर प्रतिबंध के दौर में ऑस्ट्रेलिया की ओर से 1983 में पहला एकदिवसीय मैच खेला। वह साल 1983 से 1985 तक ऑस्ट्रेलिया की टीम से खेलते रहे। वहीं साल 1985 में उन्हें बाहर कर दिया गया। इसके कुछ साल बाद दक्षिण अफ्रीका पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया जिसके बाद वह स्वदेश लौट गये। वेसल्स ने 1991 से दक्षिण अफ्रीका की ओर से खेलना शुरु किया। साल 1994 में जब उन्होंने संन्यास लिया तब तक उन्होंने 109 एकदिवसीय मैचों की 105 पारियों में 34.35 की औसत से 3367 रन बनाए थे। इसमें एक शतक और 26 अर्धशतक शामिल थे पर वह एक बार भी खाता खोल बिना पेवेलियन नहीं लौटे। वेसल्स के अलावा आज विश्व में एक भी ऐसा बैटर नहीं है, जिसने एकदिवसीय मैचों में बिना 0 पर आउट हुए 2000 रन बनाए हो। वहीं न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने 0 पर आउट हुए बिना 42 एकदिवसीय मैचों की 37 पारियों में 1651 रन बनाये थे। अब देखना है कि मिचेल वेसल्स का रिकॉर्ड तोड़ पाते हैं या नहीं।

पहलवान अमन सेहरावत के ओलंपिक पदक का रंग फीका पड़ा, आईओसी से करेंगे शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 पेरिस ओलंपिक के सभी दोषपूर्ण पदकों को बदलने की खबरों के बीच भारतीय पहलवान अमन सेहरावत के कांस्य पदक का रंग भी फीका पड़ने लगा है, लेकिन पहलवान ने अभी तक इस मामले में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पेरिस 2024 में अपने ओलंपिक पदार्पण पर अमन ग्रीष्मकालीन खेलों में सबसे कम उम्र के भारतीय पदक विजेता बने, जब उन्होंने पुरुषों की 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती में कांस्य पदक जीता।

रिपोर्टों के अनुसार 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालिंपिक के लिए पदक बनाने वाली कंपनी मोनाई डे पेरिस ने कहा कि वह पदकों के खराब होने की कई शिकायतों के बाद एथलीटों के अनुरोध पर सभी क्षतिग्रस्त पदकों को बदल देगी। हालांकि अमन ने पदक बदलने के लिए आधिकारिक तौर पर अपनी शिकायत दर्ज नहीं कराई है। भारतीय पहलवान के एक करीबी सूत्र ने बताया, 'अमन सेहरावत ने पेरिस में जो कांस्य पदक जीता था, वह दोषपूर्ण लगता है। इसका रंग फीका पड़ने लगा है। हमने अभी तक आईओसी के साथ आधिकारिक शिकायत साझा नहीं की है।'

फ्रांसीसी वेबसाइट ला लेट्रे की जानकारी के अनुसार, केवल चार महीनों में पेरिस 2024 ओलंपिक और पैरालंपिक खेल आयोजन समिति (कोजोप) को एथलीटों द्वारा 100 से अधिक दोषपूर्ण पदक लौटाए जा चुके हैं। प्रत्येक पेरिस 2024 पदक, एक लक्जरी फ्रांसीसी जौहरी चौमेट द्वारा डिजाइन किया गया था जिसे फ्रांस के सबसे प्रतिष्ठित प्रतीक- एफिल टॉवर से लोहे के एक टुकड़े से सजाया गया था।

प्रत्येक पदक के केंद्र में 0.6 औंस का पुडल आयरन का टुकड़ा है। पिछले साल ग्रीष्मकालीन खेलों के समापन के तुरंत बाद विभिन्न एथलीटों ने सोशल मीडिया पर यह साझा किया कि उनके द्वारा जीते गए पदक पहले से ही अपनी चमक खोने लगे हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि पेरिस के आयोजक उन एथलीटों की समितियों के संपर्क में हैं जिन्होंने शिकायत दर्ज की है और प्रतिस्थापन यह प्रक्रिया आने वाले सप्ताहों में शुरू होगी।

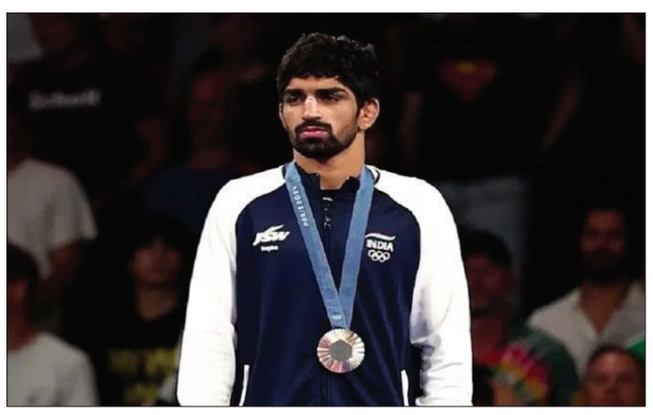

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

फिर से जमेगी अक्षय के साथ इस अभिनेत्री की जोड़ी, प्रियदर्शन की भूत बांग्ला में लगाएंगी तड़का

प्रियदर्शन के निर्देशन में अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी, भूत बंगला में बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री कंमर्फ हो चुकी है, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए दी है। ड्यून- प्रोफेसी में जबर्दस्त अभिनय के बाद आखिरकार, तब्बू ने खुलासा किया है कि वह आगे क्या करने की योजना बना रही हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी, भूत बंगला में वह अगली बार नजर आएंगी। इसका खुलासा खुद तब्बू ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया। तब्बू ने इंस्टाग्राम पर घोषणा करते हुए एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर शेयर की, जिस पर लिखा था भूत बांग्ला। उनके इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, हम यहां बंद हैं। तब्बू की इस पोस्ट के बाद उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं कि भूल भूलैया 2 के बाद अब वह तब्बू को फिल्म भूल बंगला में हॉरर के साथ कॉमेडी का तड़का लगाते देख पाएंगे।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म है भूत बंगला

2000 की फिल्म हेरा फेरी में अक्षय और तप्पू साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म का निर्देशन भी प्रियदर्शन ने ही किया था। कुछ समय से ऐसी अफवाहें चल रही थीं कि तब्बू भी इस ड्रामा में शामिल होंगी, लेकिन प्रशंसक आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार, तब्बू की इंस्टाग्राम पोस्ट ने खुलासा कर ही दिया है कि वह भूत बंगला का हिस्सा हैं और इस हॉरर कॉमेडी में वह एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं। 2026 में आने वाली फिल्म भूत बांग्ला में अक्षय कुमार और तब्बू के अलावा परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी जैसे कई बेहतरीन कलाकार नजर आ सकते हैं।

वेब सीरीज पिरामिड में एक जर्नलिस्ट का किरदार निभा रही हैं हेली शाह

हेली शाह को इन दिनों वेब सीरीज पिरामिड में देखा जा रहा है। इसमें रोहन मेहरा, हर्षद अरोरा, करण शर्मा, क्रिस्टन बैरेटो भी हैं। हेली ने खास बातचीत की।

सीरीज की कहानी और अपने किरदार के बारे में बताइए?

मेरे किरदार का नाम वृंदा है। वह जर्नलिस्ट है। उसके बहुत सारे सपने हैं। अपने पापा के साथ रहती है। वृंदा ने क्रिप्टो करेंसी यानी डिजिटल मनी में इन्वेस्टमेंट किया होता है। उसे उम्मीद है कि बहुत ज्यादा रिटर्न मिलेगा, जो उसे ऑन एप में दिख भी रहा होता है। लेकिन इसमें कई ट्विस्ट एंड टर्न आते हैं। यह कैसी स्कीम है, कैसे स्कैम होता है, यह शो देखने पर पता चलता है।

रियल लाइफ में किस ऊंचाई पर पहुंचने की ख्वाहिश रखती हैं?

मुझे नहीं लगता है कि मेरे दिमाग में कोई एक सेट लिमिट है। बतौर ह्यूमन ग्राउंडेड रहना चाहती हूं। मैं कुछ न कुछ नई चीजें सीखते रहना चाहती हूं और उसी से आगे भी बढ़ना चाहती हूं। हाइपोथेटिकली अगर बोलना चाहूं, तब नहीं बोल सकती कि एकदम टॉप पर पहुंचना चाहती हूं। लेकिन जर्नी कभी खत्म नहीं होती है। इस जर्नी में बहुत कुछ सीखते और सुधारते हुए आगे बढ़ते हैं। यह आखिर तक चलता रहता है।

रोहन मेहरा के साथ शूटिंग करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा?

रोहन के साथ शूट करने में बहुत मजा आया। न सिर्फ रोहन, बल्कि पूरी स्टार कास्ट नीरज, हर्षद, करण आदि के साथ शूटिंग की बहुत फन जर्नी रही। रोहन के साथ ही मैक्सिमम सीन हैं। उनके साथ काम करना बड़ा दिलचस्प रहा। हमारा एक शेड्यूल मनाली में भी था, जो काफी इंटरेस्टिंग था। वहां की लोकेशन मनलुभावन रही। लेकिन मैं जैसे ही मनाली पहुंची, वैसे ही बीमार पड़ गई।

बतौर फीमेल लीड रोल प्ले करने का कितना प्रेशर होता है?

यह सही है कि ओटीटी पर मेल सेंट्रिक शो आते हैं। उनकी वजह से शो चल रहा है, यह भी सही है। क्योंकि ऐसी कई सारी वेब सीरीज हैं, जिसमें मेल कैरेक्टर ही शो को आगे बढ़ाता है और लोगों को पसंद आता है। लेकिन मैं अपने आपको बहुत ग्लैड और खुशनसीब समझती हूं कि कुछ लोग ऐसे शो बनाना चाह रहे हैं, जिसमें फीमेल सेंट्रिक कैरेक्टर हो। मैं ग्लैड हूं कि पिरामिड मिला। उससे भी बड़ी बात यह है कि मेरे किरदार वृंदा के साथ ही सारी चीजें होती हैं। ईमानदारी से कहूं तो यह शो करके बहुत खुश हूं।

इमरजेंसी देखने को उत्साहित सलमान खान

कंगना रनौत ने हाल ही में सलमान खान के साथ अपनी दोस्ती पर बात की और बताया कि बॉलीवुड के भाईजान और उनकी दोस्ती वर्षों पुरानी है। कंगना ने यह खुलासा भी किया कि उन्हें सलमान खान के साथ काम करने के कई मौके मिले, लेकिन दोनों कभी परदे पर साथ काम नहीं कर पाए। कंगना ने कहा, आप सलमान खान को देखें तो उनकी बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है, लोग उन्हें प्यार करते हैं, जो उन्हें प्यार करते हैं वो उनसे प्यार करते रहेंगे, लेकिन जो लोग उन्हें परेशान करने वाले होते हैं, वो जाहिर तौर पर उनसे नफरत करेंगे। कंगना ने बताया कि उन्हें बजरंगी भाईजान और सुल्तान जैसी फिल्में ऑफर की गईं, लेकिन उन्होंने मना कर दिया, कंगना ने कहा कि भले ही उन्होंने सलमान की ऑफर की गई फिल्में ठुकरा दीं, लेकिन एक्टर उनके प्रति हमेशा दयालु बने रहे। कंगना ने आगे कहा, सलमान और मेरी आज भी बात होती है, वे इमरजेंसी देखने के लिए भी उत्साहित हैं। हमारा एक कॉमन फ्रेंड है, उन्होंने उसे भेजा और कहा कि तुम जाकर देखो कि उसने कौन सी फिल्म बनाई है। कंगना के मुताबिक सलमान ने उन्हें फोन भी किया, इस पर कंगना ने कहा, तो तुम्हारे पास खबर है, लेकिन तुमने खुद फिल्म नहीं देखी। बता दें कि इमरजेंसी17 जनवरी को रिलीज हो रही है।

रेसिंग करियर के बीच अजित ने अभिनय और सिनेमा को लेकर दिया बड़ा बयान

साउथ सुपरस्टार अजित ने एक इंटरव्यू में अभिनेता ने अपने अभिनय और रेसिंग करियर के बारे में बात की। उन्होंने आगे कहा कि रेसिंग सीजन शुरू होने तक वह कोई भी फिल्म साइन नहीं करेंगे और अक्तूबर से मार्च के बीच अभिनय करने की योजना बना रहे हैं।

फिल्मों में अभिनय कब करेंगे अजित

अजित ने इस बारे में बात की कि क्या उनके फिल्म अनुबंध उन्हें फिल्मों की शूटिंग के साथ-साथ रेसिंग करने की अनुमति देते हैं? अजित ने कहा, नहीं। मुझे यह बताने की जरूरत नहीं है कि क्या करना है, क्या नहीं करना है। फिलहाल, मैं मोटरस्पोर्ट्स को आगे बढ़ाने की योजना बना रहा हूं, न केवल एक ड्राइवर के रूप में बल्कि एक टीम के मालिक के रूप में भी। जब तक रेसिंग सीजन चालू नहीं हो जाता, मैं फिल्में साइन नहीं करूंगा और संभवत: अक्तूबर से मार्च के बीच, रेसिंग सीजन शुरू होने से पहले मैं शायद फिल्में करूंगा। मैं फिल्मों में अभिनय करूंगा, ताकि कोई भी चिंतित न हो और जब मैं रेस करूं तो मैं पूरी तरह से तैयार रहूं।

अजित का रेसिंग करियर

अपनी बातचीत के दौरान उन्होंने रेसिंग में आने के बारे में भी बताया। अजित ने कहा, मैं 18 साल का था जब मैंने भारत में मोटरसाइकिल रेसिंग शुरू की। और फिर मैं काम में व्यस्त हो गया, लेकिन मैंने 20-21 साल की उम्र तक मोटरसाइकिल रेसिंग की और फिर 1993 तक इसे जारी रखा। फिर मैं फिल्म उद्योग में आ गया और मैं 2002 में 32 साल का था, जब मैंने मोटर रेसिंग में वापस आने का फैसला किया, लेकिन मोटरसाइकिल में नहीं, चार पहिया वाहनों में।

रेसिंग के मालिक भी हैं अजित

अजीत कुमार रेसिंग के मालिक भी हैं। उनकी टीम पोर्श 992 क्लास में अपने साथियों मैथ्यू डेट्री, फैबियन डफीक्स और कैमरन मैकलियोड के साथ भाग लेगी। वहीं, बात करें अभिनेता की फिल्मों के बारे में तो वह दो बहुप्रतीक्षित फिल्मों को लेकर भी सुर्खियों में बने हुए हैं, पहली विदामुयार्ची और दूसरी गुड बैड अग्ली। विदामुयार्ची पहले पोंगल पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे टाल दिया गया है और अब इसकी आधिकारिक नई रिलीज डेट का इंतजार है।

इस दिन रिलीज होगी गुड बैड अग्ली

वहीं, बात करें अजित की दूसरी फिल्म गुड बैड अग्ली के बारे में तो यह फिल्म 10 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। गुड बैड अग्ली बॉक्स ऑफिस पर पैन इंडिया स्टार प्रभास की द राजा साब के साथ क्लैश होगी। फिल्म में अजित के साथ तृषा, प्रसन्ना और सुनील भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

भारत में म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स टूर शुरू करेंगी जसलीन रॉयल

भारत में काउंटडाउन शुरू हो गया है। पॉप सेंसेशन और चार्ट-टॉपर, जसलीन रॉयल कोल्डप्ले के म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स टूर की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। केवल एक हफ्ते से कम का समय बचा है, उसके बाद देशभर में हर तरफ कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट का जादू देखने को मिलेगा। जसलीन ने अपने हालिया पोस्ट से फैंस का उत्साह भी दोगुना कर दिया है।

कॉन्सर्ट के लिए तैयार हैं जसलीन

हाल ही में, सोशल मीडिया पर कॉन्सर्ट के लिए नोट्स के साथ अपनी तैयारी की एक तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने कहा, 'लाइफ लेटली। सिंग, स्लीप, कडल, रिपीट। वन वीक टू गो फॉर द कोल्डप्ले- म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स इंडिया टूर।' जसलीन भारत की लोकप्रिय पॉप आइकन हैं। आने वाले कोल्डप्ले कॉन्सर्ट में जसलीन रॉयल का लेटेस्ट ट्रैक साहिबा है। जसलीन के हालिया पोस्ट पर लोगों ने कमेंट कर पूछा कि अब उनका अगला गाना कब आएगा। एक यूजर ने लिखा, आपको लाइव देखने का बेसब्री से इंतजार है। दूसरे यूजर ने लिखा, मेरा दिन आपके गानों से ही शुरू होता है। सच में आपको देखने का बेसब्री से इंतजार है। सिंगिंग के साथ यह काम भी करेंगी जसलीन जसलीन कॉन्सर्ट में गाने के साथ-साथ उसे परफॉर्म, कम्पोज, सॉन्ग राइटिंग और प्रोड्यूसिंग भी करेंगी। यही नहीं, यह दावा भी किया जा रहा है कि जसलीन इस कॉन्सर्ट में एकमात्र भारतीय गायिका होंगी। जसलीन अपने फैंस को आने वाले कॉन्सर्ट को लेकर अपनी तैयारी के बारे में पूरी तरह से अपडेट करती हैं। वह इस कॉन्सर्ट को लेकर वह बहुत उत्साहित हैं।

बता दें कि भारत में कोल्डप्ले कॉन्सर्ट को लेकर लोगों में अलग ही क्रेज देखने को मिल रहा है। फैंस की दीवानगी का ऐसा आलम है कि कॉन्सर्ट की टिकटें चंद मिनटों में बिक गईं। फैंस के क्रेज को देखते हुए बुक माय शो ने लोगों के लिए बोनस टिकटों की घोषणा की है।

मुझे कभी भी अपनी बात रखने का नुकसान नहीं उठाना पड़ा

आज से तकरीबन दो दशक पहले गुल पनाग ने मिस इंडिया बनने के बाद फिल्म धूप से अपने फिल्मी जीवन का आगाज किया था। मगर बीते सालों में उन्होंने काफी चुनिंदा काम किया। चुनिंदा काम करने का कारण वे बताती हैं, मुझे लगता है कि जो भूमिकाएं आपको आकर्षित करें, आपको उन भूमिकाओं से जुड़ना चाहिए। मुझे खुशी है कि मैंने जितना भी काम किया है, वह पसंद किया गया और उस काम ने मुझे खुशी दी। मेरी ग्लैमरस इमेज भी काफी हावी रही मगर ओटीटी में मेरे चरित्रों ने उस अवधारणा को भी तोड़ा और मैंने ही नहीं, बल्कि दर्शकों ने भी मुझे नए तरीके से खोजा।

फिल्में हों या वेब सीरीज, गुल पनाग ने हमेशा से महिलावादी किरदारों को जीवंत किया है। वे निजी जिंदगी में एक एनजीओ भी चलाती हैं जो जेंडर इक्वैलिटी, शिक्षा, समानता जैसे मुद्दों पर काम करता है। महिला मुद्दे पर वे अपनी राय कहती हैं, लड़कियों को लेकर मुझे जो बात सबसे ज्यादा परेशान करती है, वह ये कि वे स्वयं को सीमाओं के अंदर बांधकर खुद के दायरे बना लेती हैं। देखिए महिलाओं के लिए सामाजिक दायरे तो होते ही हैं, फिर उसके भीतर वे अपनी तरक्की और सोच का दायरा संकुचित क्यों कर लेती हैं? उनकी यही सोच उनकी उन्नति में रुकावट बन जाती है। सदियों से हम लड़कियों की एक खास तरह से कंडीशनिंग की गई हैं कि ऐसे रहो, ये मत करो, वह मत करो और इन हदों में हम खुद के लिए और हद बनाकर बंध जाते हैं। हम लड़कियों को अपने दायरे कभी सेट नहीं करने चाहिए। उल्टा समाज के दायरों को तोड़ कर आगे बढ़ना होगा।

मुझे स्टैंड लेने का खामियाजा कभी नहीं भुगतना पड़ा

गुल पनाग अपनी बेबाकी के लिए भी खूब जानी जाती हैं। वे सामाजिक या राजनैतिक मुद्दों पर अपनी राय रखने से हिचकिचाती नहीं हैं। क्या उन्हें इसका कभी खामियाजा भुगतना पड़ा है? इस सवाल पर वे कहती हैं, मुझे लगता है कि ये संभव है कि आप अपने विचार रखें और लोगों को आहत करने की कोशिश न करें। मैं राजनीति की बात नहीं कर रही। मैं सामाजिक ध्रुवीकरण की बात कर रही हूं। कई बार लोग हटकर दिखने या बनने के लिए अपना पक्ष रखते हैं। बुनियादी तौर पर मेरा मानना है कि आप बिना आक्रामक और कठोर बने अपनी बात कह सकते हैं। मैंने जब भी अपना पक्ष रखा है, उन सामने वाले के नजरिए को समझते हुए रखा है। मुझे कभी भी नैतिक या सिद्धांतवादी मुद्दों पर अपना पक्ष रखने का खामियाजा नहीं भुगतना पड़ा। मैंने कई लोगों से सुना है कि अपनी बात रखने पर उनके साथ उत्पीड़न हुआ, मगर मुझे कभी भी अपनी बात रखने का नुकसान नहीं उठाना पड़ा। सभी जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रही हूं। मैं इस वक्त उस मुद्दे पर बात नहीं करना चाहती, मगर इतना जरूर कहूंगी कि जब भी अपना मत रखती हूं, पब्लिसिटी या लोगों को तंग करने के लिए नहीं रखती।

वर्तमान में जीने में यकीन करती हूं

मिस इंडिया का खिताब जीत चुकी गुल ऐक्ट्रेस होने के साथ-साथ कमर्शल पायलट, बाइक राइडर भी हैं, राजनीति में रुचि रखती हैं और महिला मुद्दों को लेकर एनजीओ भी चलाती हैं। असल जिंदगी में वे मां भी हैं। उन्हें सबसे ज्यादा मजा किस काम में आता है? इस सवाल के जवाब में वे कहती हैं, मैं भले कई चीजों में माहिर हूं, मगर हमेशा उस पल में जीना पसंद करती हूं, जो उस वक्त चल रहा होता है। आपको भले ये फलसफा लगेगा, मगर ये सच है कि इससे पहले जो हुआ, वह बीत चुका है और जो होने वाला है, वह हमें पता नहीं, मगर ये जो चल रहा है, ये मेरी जिंदगी का अहम मोमेंट है। जब मैं बाइक राइड करती हूं, तो उसके मजे लेती हूं। जब घर पर होती हूं, तो वह पल मेरे लिए बहुत जरूरी होता है। मैं जब, जिस पल लोगों के साथ रहती हूं, उन्हें वक्त देती हूं, उन्हें प्रोत्साहित करती हूं और उस वक्त को अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी यादगार बनाती हूं।

मेरा किरदार मनोरमा सिक्स फीट अंडर से प्रभावित है

गुल पनाग ने ओटीटी पर द फैमिली मैन, रंगबाज फिर से, गुड बैड गर्ल, पाताल लोक सीजन वन और टू में काम किया है। अपनी नई वेब सीरीज में भूमिका के बारे में वह कहती हैं, सीजन वन में मेरी भूमिका अगर लोगो को पसंद आई, तो इसका श्रेय इसके क्रिएटर सुदीप शर्मा और अविनाश को जाता है। इस किरदार को लिखा काफी खूबसूरती से है। छोटा किरदार होने के बावजूद यह अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहा। एक अभिनेत्री के रूप में मेरी खोज यही रहती है कि मैं ऐसे चरित्र निभाऊं, जो या तो मैंने पहले अनुभव नहीं किए हैं या फिर जो मैंने अपने आस-पास देखे नहीं हैं। रेनू जैसा किरदार मैंने कभी अदा नहीं किया था। गुल पनाग के रूप में मेरी जो छवि है, मेरा चरित्र उससे काफी अलग है। इस सीरीज को देखने वाले कई लोगों ने मेरी भूमिका देखा कर कहा, ओह, वह तुम थी! तो मेरी भूमिका ने उन्हें इस कदर चौंकाया। इससे थोड़ा मिलता-जुलता किरदार मैंने निभाया था, मनोरमा सिक्स फीट अंडर में। सुदीप उसी चरित्र से प्रभावित थे। मेरे लिए पाताल लोक मेरी जिंदगी और माइंड की वह जगह है, जहां आप दोबारा नहीं जाना चाहते। भगवान और शैतान दोनों ही हमारे भीतर होता है, मगर हम शैतान को नहीं देखना चाहते।